राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 सौरव घोषाल ने पेशेवर स्क्वाश से संन्यास लिया | सम्पादकीय | एन. रघुरामन का कॉलम स्वच्छंद समाज | किआ का कारेंस मॉडल प्रभावी 5

वर्ष 11 अंक 58 E-mail: dholpur@hotmail.com जयपुर, बुधवार 24 अप्रैल 2024 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

कांग्रेस राज में हनुमान चालीसा सुनना भी गुनाह - पीएम मोदी

टौंक में चुनावी सभा में बोले प्रधानमंत्री

आर.एन.एस.

टौंक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर कहा है कि देश में आरक्षण कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने राजस्थान के उनियारा (टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा) में कहा कि कांग्रेस पार्टी की सोच हमेशा से तुष्टिकरण की राजनीति की रही है। वो दलित-आदिवासियों को मिले आरक्षण को कम करके मुसलमानों को देना चाहती है।

साल 2004 में कांग्रेस ने सबसे पहले आंध्र प्रदेश में एसटी-एससी के आरक्षण में कमी करके मुसलमानों को रिजर्वेशन देने की कोशिश की थी। ये एक पायलट प्रोजेक्ट था। जिसे बाद में पूरे देश में लागू करने की प्लानिंग थी, लेकिन मंसूबे कामयाब नहीं हो सके। इसके बाद 2011 में फिर से देश में इसे लागू करने की कोशिश हुई। कांग्रेस ने संविधान की परवाह नहीं की, लेकिन हमने ऐसा नहीं होने दिया। क्या कांग्रेस अब देश की जनता से वादा करेगी कि वो उस आरक्षण को मुसलमानों में नहीं बांटेगी। मोदी ने कहा कि यदि 2014 के बाद भी कांग्रेस होती तो सरहद पर सैनिकों के सिर काटे जा रहे होते और बम ब्लास्ट हो रहे होते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में तो हनुमान चालीसा पढ़ना-सुनना भी गुनाह हो गया है। कर्नाटक में इसीलिए एक युवक को पीटा गया। राजस्थान में जब कांग्रेस की सरकार थी तो यहां रामनवमी पर निकलने वाली शोभायात्रा पर ही प्रतिबंध लगाया गया था।

जब कर्नाटक में भाजपा सरकार थी तो हमने सबसे पहला काम किया कि उन्होंने जो एसटी, एससी से आरक्षण छीनकर मुस्लिम कोटा निकाला था उसे खत्म किया। जिसका हक था उसे सुरक्षित रखा, लेकिन कांग्रेस इससे आग बबूला हो गई। मोदी संविधान को समझता है, बाबा साहेब अंबेडकर की पूजा करने वाला व्यक्ति है। उन्होंने कहाकि साथियों..सच्चाई ये है कि कांग्रेस और इंडी अलायंस जब सत्ता में था तो ये लोग दलितों और पिछड़ों के आरक्षण में सेंधमारी करके वोट बैंक पॉलिटिक्स के लिए उनकी खास जमात को अलग से आरक्षण देना चाहते थे जबकि संविधान इसके खिलाफ है। आरक्षण का हक बाबा साहेब ने दलित, आदिवासी, पिछड़ों को दिया, कांग्रेस और इंडी अलायंस वाले उसे मजहब के आधार पर मुसलमानों को देना चाहते थे।

किसान आंदोलन के चलते रेलवे ने 1 ही दिन में रद्द की 20 ट्रेनें

आर.एन.एस.

जयपुर। किसान आंदोलन का असर उत्तर पश्चिम रेलवे की ट्रेनों पर बढ़ता जा रहा है. हालात यह है कि बीते पांच दिनों में इसके कारण 50 से ज्यादा रेलें प्रभावित हुई है. रोजना ट्रेनों या तो रद्द किया जा रहा है या फिर उनका मार्ग बदला जा रहा है. मंगलवार को भी किसान आंदोलन के चलते एक ही दिन में करीबन 20 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है. इससे खासतौर पर पंजाब और हरियाणा जाने वाले रेलयात्रियों को खासी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है.

उत्तर पश्चिमी रेलवे के सीपीआरओ कैप्टशन शशि किरण के अनुसार किसान आंदोलन का सबसे ज्यादा असर पिछले 2 दिनों में ज्यादा नजर आया है. किसान आंदोलन का असर दूसरे रेलवे जोन की बजाय उत्तर पश्चिमी रेलवे ज्यादा हो रहा है. उत्तर पश्चिमी रेलवे जोन की प्रभाव सीमा में हरियाणा का कुछ इलाका भी आता है. इसमें सिरसा, रोहतक और रेवाड़ी शामिल हैं. पंजाब में रेलवे ट्रैक पर चल रहे आंदोलन के कारण ट्रेनों को रोजाना रद्द किया जा रहा है. अकेले 23 अप्रेल को उत्तर पश्चिमी रेलवे में रद्द होने वाली रेलों की संख्या लगभग 20 है. दर्जनों ट्रेनें आंशिक रद्द की गई हैं. रेलवे यात्रियों और रेलों की सुरक्षा के लिहाज से पंजाब और हरियाणा जाने वाली रेलों को रद्द कर रहा है. रेलों के रद्दीकरण का ये सिलसिला तब तक लगातार जारी रहेगा जब तक रेलवे ट्रैक के ऊपर किसान बैठे हैं. उत्तर पश्चिमी रेलवे रिजर्व सीटों वाले रेलयात्रियों को उनका रिफंड कर रहा है. लेकिन यात्रियों को अब पंजाब और हरियाणा के लिए दूसरे विकल्प तलाशने पड़ रहे हैं।

यात्रियों का पूरा दबाव निजी और रोडवेज बसों पर आ गया है

ट्रेनों के रद्द होने के कारण यात्रियों का इस समय सारा दबाव निजी और रोडवेज बसों पर आ गया है. जिन यात्रियों के लिए पंजाब और हरियाणा की तरफ यात्रा बेहद जरूरी है वो अब निजी वाहनों या बसों का इस्तेमाल कर रहे हैं. दूसरी तरफ निजी बस ऑपरेटर्स भी हालात पर नजर बनाए हुए हैं. अगर ये आंदोलन पटरियों पर लंबे समय तक खींचता है तो रेलयात्रियों की मुसिबतें बढ़ना तय है.

6 दिनों से किसानों ने पंजाब के शंभू स्टेशन पर मांगों को लेकर कर रखा है ट्रैक जाम

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान-मजदूर मोर्चा के आह्वान पर किसान छह दिनों से पंजाब के शंभू रेलवे स्टेशन पर ट्रैक जाम करके धरना दे रहे हैं। किसानों की रिहाई के लिए आज जींद के उचाना में किसानों की महापंचायत भी हुई। जिसमें हरियाणा-पंजाब के नेताओं समेत किसानों ने हिस्सा लिया। महापंचायत में किसानों ने सरकार को 27 अप्रैल तक का अल्टीमेटम दिया है। किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर 27 अप्रैल तक किसानों को रिहा नहीं किया गया तो वह बड़ा फैसला लेंगे।

नीमका थाना में पुलिस जीप पर ट्रेलर पलटा, 3 कॉन्स्टेबल की मौत

आर.एन.एस.

नीमकाथाना। रोड़ी से ओवरलोड ट्रेलर पुलिस की गाड़ी पर पलट गया। हादसे में दो पुलिसकर्मियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, एक घायल कॉन्स्टेबल की हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसा नीमकाथाना जिले के पाटन में मंगलवार दोपहर 12.30 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, पाटन थाने में तैनात हेड कॉन्स्टेबल शीशराम (55), कॉन्स्टेबल महिपाल (38) और भंवर लाल (52) सरकारी जीप से थाने लौट रहे थे। इस दौरान पाटन थाने से 7 किलोमीटर पहले रामपुरा की घाटी के पास हरियाणा की ओर जा रहा ट्रेलर पलट गया।

हादसे में कोटपूतली निवासी कॉन्स्टेबल महिपाल और नीमकाथाना निवासी भंवर लाल की मौके पर ही मौत हो गई। श्रीमाधोपुर के रहने वाले हेड कॉन्स्टेबल शीशराम गंभीर घायल हो गए। जिन्हें कोटपूतली के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसा इतना भीषण था कि ट्रेलर पलटने के बाद गाड़ी चकनाचूर हो गई। शवों को जेसीबी से निकाला गया। सूचना पर पाटन थाना पुलिस और नीमकाथाना डीएसपी अनुज दल, एएसपी गिरधारी लाल शर्मा, एसपी परवीन नायक नुनावत, एसडीएम राजवीर यादव सहित कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।

डीएसपी अनुज डाल ने बताया- हनुमान जयंती पर हनुमान मंदिरों में बड़े आयोजन हो रहे थे। रामपुरा गांव में भी मंदिर में धार्मिक आयोजन था। वहां भीड़ थी तो पुलिस गश्त कर लौट रही थी। डीएसपी ने बताया- ट्रेलर रोड़ी से भरा हुआ था और ओवरलोड था। ट्रेलर पाटन से हरियाणा की ओर जा रहा था। घाटी में घुमाव पर ट्रेलर अनियंत्रित होकर पुलिस की गाड़ी पर पलट गया और करीब 30 फीट तक घसीटता हुआ ले गया।

ईरान ने कश्मीर पर नहीं दिया पाकिस्तान का साथ

लाहौर। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने पाकिस्तान का कश्मीर मुद्दे पर साथ नहीं दिया। दरअसल, रईसी 3 दिन के दौरे पर पाकिस्तान में हैं। सोमवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बैठक के दौरान रईसी के सामने कश्मीर का मुद्दा उठाया। गाजा में मौजूदा हालातों की तुलना कश्मीर से करते हुए शरीफ ने कहा, कश्मीर के हित में आवाज उठाने के लिए मैं आपका और ईरान के लोगों का शुक्रिया अदा करता हूं। हालांकि, शहबाज के बयान का ईरान के राष्ट्रपति ने कोई जवाब नहीं दिया। अपने संबोधन के दौरान रईसी ने सिर्फ फिलिस्तीन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि ईरान फिलिस्तीनियों के हित के लिए लड़ता रहेगा। रईसी ने कश्मीर का कोई जिक्र नहीं किया।

राजौरी : आतंकियों ने सरकारी कर्मचारी को गोलियां मारीं

19 साल पहले पिता को भी इसी तरह मारा था, एक महीने में तीसरी टारगेट किलिंग

आर.एन.एस.

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सोमवार रात आतंकियों ने एक लोकल शख्स की टारगेट किलिंग की। मृतक का नाम मोहम्मद रज्जाक (40) था और वे कुंडा टोपे शाहदरा शरीफ के रहने वाले थे। ये बीते एक महीने में जम्मू-कश्मीर में टारगेट किलिंग की ये तीसरी वारदात है। रज्जाक सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट में काम करते थे। उनके भाई सेना में जवान हैं। 19 साल पहले आतंकियों ने इसी गांव में रज्जाक के पिता मोहम्मद अकबर की हत्या कर दी थी। अकबर सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट में काम करते थे और रज्जाक को अपने पिता की जगह पर उसी विभाग में नौकरी मिली थी।

आतंकियों ने अमेरिका में बनी एम4 राइफल से घर पर की थी फायरिंग

आतंकियों ने मोहम्मद रज्जाक के घर पर फायरिंग की थी। इस दौरान रज्जाक गोली लगने से बुरी तरह जख्मी हो गए थे। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस और सेना की जॉइंट टीम ने इलाके को सील करके सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया जो आज भी जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से पुलिस ने बताया कि आतंकियों ने अमेरिका में बनी एम4 राइफल और एक पिस्तौल से अटैक किया था। पुलिस ने एम4 राइफल की बुलेट्स रिकवर कर ली हैं।

पतंजलिः माफी का विज्ञापन देने का मतलब यह नहीं कि उसे माइक्रोस्कोप से देखना पड़े - सुप्रीम कोर्ट

पतंजलि ने 67 अखबारों में माफीनामा छपवाया, कोर्ट ने विज्ञापनों की प्रति मांगी

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। पतंजलि विज्ञापन केस में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानतुल्लाह की बेंच में पतंजलि की ओर से एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा- हमने माफीनामा फाइल कर दिया है। इसे 67 अखबारों में पब्लिश किया गया है। इस पर जस्टिस हिमा कोहली ने कहा- आपके विज्ञापन जैसे रहते थे, इस ऐड का भी साइज वही था? कृपया इन विज्ञापनों की कटिंग ले लें और हमें भेज दें। इन्हें बड़ा करने की जरूरत नहीं है। हम इसका वास्तविक साइज देखना चाहते हैं। ये हमारा निर्देश है। जस्टिस कोहली ने कहा कि जब आप कोई विज्ञापन प्रकाशित करते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि हम उसे माइक्रोस्कोप से देखेंगे। सिर्फ पन्ने पर न हो, पढ़ा भी जाना चाहिए। कोर्ट ने रामदेव और बालकृष्ण को निर्देश दिया कि अगले दो दिन में वे ऑन रिकॉर्ड माफीनामा जारी करें, जिसमें लिखा हो कि उन्होंने गलती की। मामले की अगली सुनवाई अब 30 अप्रैल को होगी।

पतंजलि आयुर्वेद ने सोमवार (22 अप्रैल) को कुछ न्यूज पेपर्स में माफीनामा प्रकाशित किया है। इसमें कहा कि पतंजलि आयुर्वेद सुप्रीम कोर्ट का पूरा सम्मान करता है। सुप्रीम कोर्ट में हमारे वकीलों ने हलफनामा पेश किया, उसके बाद हमने विज्ञापन प्रकाशित किया और प्रेस कॉन्फ्रेंस की। हम इसके लिए माफी मांगते हैं। भविष्य में कभी ऐसी गलती नहीं दोहराएंगे।

आईएमए को भी लगाई फटकार, कहा- आपके डॉक्टर भी गैरजरूरी और महंगी दवाओं का प्रचार करते हैं

प्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बाबा रामदेव से पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन से जुड़े अवमानना के मामले की सुनवाई करते हुए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि वह पतंजलि पर अंगुली उठा रहा है, जबकि चार अंगुलियां आप पर भी उठ रही हैं। कोर्ट ने कहा कि एलोपैथी के डॉक्टर भी मंहगी और गैरजरूरी दवाओं का प्रचार करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आईएमए को अपनी तरफ भी देखना चाहिए। एलोपैथी के डॉक्टर लोगों को गैरजरूरी और काफी महंगी दवाएं लिखते हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की तरफ से भी अनैतिक तौर तरीके अपनाए जाने की शिकायत मिल रही है। इतना ही नहीं, इस दौरान कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद के अलावा दूसरी एफएमसीजी कंपनियों का भी जिक्र किया और कहा कि वे भी अपने प्रोडक्ट्स के बारे में गलत दावे करती हैं।

केजरीवाल की हिरासत 14 दिन बढ़ाई

के. कविता की भी हिरासत बढ़ाई

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार 23 अप्रैल को अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ा दी। इसके पहले केजरीवाल की कस्टडी 1 अप्रैल से 15 अप्रैल, फिर उसके बाद 23 अप्रैल तक बढ़ाई गई थी। कोर्ट के इस आदेश के बाद केजरीवाल अब लोकसभा चुनाव के दूसरे (26 अप्रैल) और तीसरे (7 मई) फेज की वोटिंग के दौरान भी जेल में रहेंगे।

केजरीवाल के अलावा बीआरएस नेता के. कविता और एक अन्य आरोपी चरनप्रीत की कस्टडी भी 7 मई तक बढ़ा दी गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने सुनवाई के दौरान कहा कि के. कविता के केस में एजेंसी 60 दिन में चार्जशीट फाइल करेगी। ईडी ने शराब नीति केस में केजरीवाल को 21 मार्च को अरेस्ट किया था। 22 मार्च को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेशी हुई, जहां से उन्हें 28 मार्च तक ईडी की रिमांड पर भेजा गया। 1 अप्रैल से वे तिहाड़ जेल में हैं।

तिहाड़ प्रशासन ने बताया कि केजरीवाल को सोमवार शाम इंसुलिन दी गई। अधिकारियों ने कहा कि कम खुराक वाली इंसुलिन की 2 यूनिट दी गई, क्योंकि सोमवार शाम 7 बजे उनका शुगर लेवल 217 हो गया था। एम्स की टीम ने कहा था कि स्तर 200 पार होने पर उन्हें कम खुराक वाली इंसुलिन दी जा सकती है।

दिल्ली दंगे : आरोपियों द्वारा विरोध स्थलों को धर्मनिरपेक्ष रंग देने के लिए हिंदू नाम दिया गया था - हाईकोर्ट

कोर्ट ने कहा - साजिशकर्ताओं का उद्देश्य विरोध प्रदर्शन को चक्का जाम तक बढ़ाना और एकत्रित भीड़ को हिंसा में शामिल करना था

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। साल 2020 में देश की राजधानी में नागरिक संशोधन अधिनियम के विरोध में हुए दंगो के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को कड़ी टिप्पणी की. हाईकोर्ट के समक्ष गैरकानूनी गतिविधि निरोधक अधिनियम के तहत आरोपी बनाए गए एक शख्स ने जमानत याचिका लगाई थी. इस याचिका को खारिज करते हुए जस्टिस सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की बेंच ने कहा कि आरोपियों द्वारा विरोध स्थलों को धर्मनिरपेक्ष रंग देने के लिए हिंदू नाम दिया गया था. साजिशकर्ताओं का उद्देश्य विरोध प्रदर्शन को चक्का जाम तक बढ़ाना और एकत्रित भीड़ को हिंसा में शामिल करना था। हाईकोर्ट की बेंच ने कहा, 20/21.02.2020 को चांद बाग में और फिर 22/23.02.2020 को बैठकों में आरोपियों ने दंगे जैसी हिंसा और दिल्ली को जलाने से संबंधित पहलुओं पर खुलकर चर्चा की थी. यह किसी भी लोकतांत्रिक देश में स्वीकार्य नहीं है. वित्त, हथियारों की व्यवस्था करने, लोगों की हत्या के लिए पेट्रोल बम खरीदने और संपत्ति में आग लगाने और इलाके में लगे सीसीटीवी को नष्ट करने पर भी बातचीत हुई।

भीड़ को पुलिस के खिलाफ भड़काया गया

बेंच ने अपने आदेश में कहा, साजिशकर्ताओं का उद्देश्य विरोध प्रदर्शन को चक्का जाम तक बढ़ाना था. एक बार बड़ी संख्या में भीड़ जुटने के बाद लोगों को पुलिस और अन्य लोगों के खिलाफ भड़काना था. आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया सही मामला बनता है, जिसके कारण यूएपीए की धारा 43-डी (5) के तहत जमानत पर रोक लगा दी जाती है.

दंगों में 53 लोगों ने गंवाई जान

शारजील इमाम, यूनाइटेड अगेंस्ट हेट के संस्थापक खालिद सैफी और उमर खालिद और वर्तमान आरोपी सहित कई अन्य लोगों पर कथित तौर पर आतंकवाद विरोधी कानून गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है. उत्तर-पूर्वी दिल्ली में फरवरी 2020 के दंगों में 53 लोग मारे गए और 700 से अधिक घायल हो गए थे. नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान यह हिंसा भड़क गई थी।

मलेशिया के 2 नेवी हेलिकॉप्टर टकराए,10 क्रू सदस्यों की मौत

परेड रिहर्सल के दौरान हुआ हादसा

आर.एन.एस.

कुआलालंपुर। मलेशियाई नेवी के 2 हेलिकॉप्टर मंगलवार को हवा में टकरा गए। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई है। मलेशियाई नेवी ने बताया कि रॉयल मलेशियन नेवी परेड की रिहर्सल के दौरान यह हादसा हुआ। मारे गए सभी लोग नेवी के क्रू मेंबर्स थे। हादसा मंगलवार सुबह 9.30 बजे पेराक में लुमुत नेवल बेस पर हुआ। सभी शवों को लुमुत एयरबेस के अस्पताल भेजा गया है, जहां इनकी पहचान की जाएगी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, मरने वाले सभी लोगों की उम्र 40 साल से कम है।

हेलिकॉप्टर्स की टक्कर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मलेशियन फ्री प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, नेवी की 90वीं सालगिरह पर परेड के लिए रिहर्सल चल रही थी। तभी हेलिकॉप्टर फेनेक हेलिकॉप्टर के रोटर से टकरा गया। इसके बाद फेनेक हेलिकॉप्टर पास ही में मौजूद एक स्विमिंग पूल में जा गिरा। वहीं हेलिकॉप्टर लुमुत बेस के स्टेडियम के पास क्रैश हो गया। यह टक्कर क्यों और कैसे हुई इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। मलेशियाई नेवी ने बताया कि उनकी एक टीम पूरे मामले की जांच कर रही है।

मप्र - उप्र में लू की चेतावनी, तापमान 42 डिग्री पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग ने देश के कई राज्यों में अगले 5 दिनों तक तेज गर्मी का अलर्ट जारी किया है। इसके मुताबिक, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक में आज हीटवेव चलेगी। वहीं, पश्चिम बंगाल में सीवियर हीटवेव की चेतावनी जताई गई है। इन चारों राज्यों में तापमान भी 42 डिग्री तक पहुंच चुका है। उधर, बिहार, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी, कर्नाटक, गोवा, असम, मेघालय, त्रिपुरा और आंध्र प्रदेश में आज उमस भरी गर्मी देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने कहा है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में आने वाले 4-5 दिनों में तापमान 42 डिग्री से भी पार पहुंच जाएगा। हालांकि, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में हल्की बारिश का भी अनुमान है, लेकिन इससे गर्मी का असर कम नहीं होगा। गर्मी को देखते हुए ओडिशा में 25 अप्रैल से बच्चों की स्कूल की छुट्टियां घोषित की गई हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के भी सभी स्कूल भी 15 जून तक बंद रहेंगे।

पीएम के खिलाफ शिकायतों पर कार्रवाई नहीं कर रहा चुनाव आयोग - कांग्रेस

आर.एन.एस.

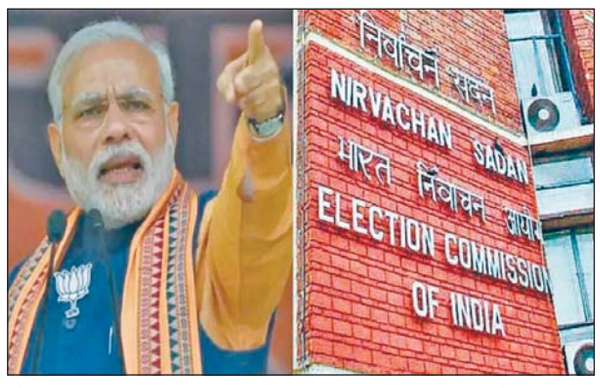

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि पार्टी कानूनी उपाय तलाश रही है क्योंकि चुनाव आयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की धन के पुनर्वितरण वाली टिप्पणी के खिलाफ शिकायत पर कार्रवाई नहीं कर रहा है। श्रीनेत ने कहा कि ईसी जैसी संस्थाओं पर लोगों का पूरा भरोसा होना चाहिए और अगर भरोसा हिल गया है तो उन्हें उसे बहाल करने के लिए काम करना चाहिए।

उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में नफरत भरे भाषण दिए। मेरे सहयोगियों ने सोमवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की और हमने उनके खिलाफ आरोप लगाए हैं। चूंकि वे हमारी शिकायत पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, इसलिए हम कानूनी उपायों पर विचार कर रहे हैं। कांग्रेस ने सोमवार को राजस्थान में एक चुनावी रैली में धन के पुनर्वितरण वाली टिप्पणी के लिए मोदी के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग करते हुए चुनाव आयोग का रुख किया, आरोप लगाया कि टिप्पणियां विभाजनकारी, दुर्भावनापूर्ण थीं और एक विशेष धार्मिक समुदाय को लक्षित करती थीं। रविवार को, प्रधानमंत्री ने यह दावा करके एक राजनीतिक विवाद पैदा कर दिया था कि कांग्रेस के घोषणापत्र में सर्वेक्षण करने के बाद धन के पुनर्वितरण का वादा किया गया था। श्रीनेत ने कहा, हमें उम्मीद है कि यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होगा। लेकिन हमें इसके बहुत कम सबूत दिखते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के खिलाफ चुनाव आयोग की कार्रवाई के बारे में जितना कम कहा जाए, उतना बेहतर है।

हनुमान जयंती के साथ वर्ल्ड बुक डे का सफलतापूर्वक आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। एमपीएस इंटरनेशनल विद्यालय में हनुमान जयंती और वर्ल्ड बुक डे उत्साह व जोश के साथ मनाया गया । प्रार्थना सभा में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया एवं राम भक्त हनुमानजी के जीवन प्रसंग से जुड़े विषयों पर प्रश्न पूछते हुए प्रश्नोत्तरी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । इसके साथ ही वर्ल्ड बुक डे के अवसर पर कक्षावार गतिविधियाँ कराई गई । कक्षा प्रथम व द्वितीय के छात्रों द्वारा कक्षा का एक हिस्सा कक्षा पुस्तकालय के रूप में सजाया गया एवं अन्य कक्षाओं में बुकमार्क ,फ्लैश कार्ड ,श्लोक पाठ एवं भारतीय सांस्कृतिक व नैतिक मूल्यों की चर्चा की गई। विद्यालय उप - प्राचार्या श्रीमती मंजू शर्मा ने हनुमानजी के जीवन से सेवा धर्म और कर्तव्य परायणता की शिक्षा ग्रहण करने का संदेश दिया ।

एससीए जयपुर में धूमधाम से मनाया हनुमान जन्मोत्सव

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। आज मुरलीपुरा जयपुर स्थित संस्कृति चिल्ड्रेंस अकैडमी में हनुमान जन्मोत्सव बड़े धूम धाम से मनाया गया। विद्यालय संयोजक ने बताया कि आज हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थीओ द्वारा सुंदरकांड, रामचरितमानस की चौपाई, दोहे के साथ साथ सुंदर मधुर भजन की प्रस्तुति दी गई। इस पावन अवसर पर बच्चो द्वारा संगीतमय हनुमान चालीसा का पाठ आरती के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के कुछ विद्यार्थीओ द्वारा हनुमान जी की फोटो भी बनाई गई। विद्यार्थी जिन्होंने श्रेष्ठ आर्ट बनाई वे निम्न थे- देवेश अग्रवाल,काव्यराज, निखिल, आराध्य,शिवानी, शौर्य, गौरव। इस अवसर पर विद्यालय प्रिंसिपल अशोक कुमार शर्मा , विद्यालय सचिव आयुष कुमार शर्मा सहित समस्त शिक्षकगण, प्रबंध समिति उपस्थित थे।

पुरोहित जी का कटला स्थित प्याऊ पीपलेश्वर महादेव हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। पुरोहित जी का कटला स्थित प्याऊ पीपलेश्वर महादेव हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर में विशेष श्रृंगार सजावट की गई। हनुमान जी को पंचामृत अभिषेक किया गया। हनुमान जी को सिंदूरी चोला चढ़ाने के बाद नई पोशाक धारण करवाई गई। बड़ी संख्या में लोगों और कटला स्थित व्यापारियों ने पूजा अर्चना की। मंदिर परिसर में भजन संध्या का भी आयोजन किया गया। मंदिर के सदस्य वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर विष्णु टांक, राजेंद्र टांक, सोमू ,हेमंत टांक ,राधे,पिंकी, गिर्राज,मुकेश,रोहित,ने कार्यक्रम किया।वहीं शाम को भक्तों को पंगत प्रसादी करवाई गई।

हनुमान जयंती पर संजय कॉलोनी से पापड़ के हनुमान तक भव्य शोभायात्रा

जयकारों के साथ मातृशक्ति ने किया नृत्य-संगीत का आगाज

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। हनुमान जयंती पदयात्रा समिति, संजय कॉलोनी, आरपीए रोड़, पानीपेच, जयपुर में हनुमान जयंती पर हजारों महिला एवं पुरुषों ने संजय कॉलोनी के एक मंदिर से भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस भव्य कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार एडवोकेट डॉ.सुनील शर्मा एवं सुरेश चन्द गर्ग के निर्देशन मे यह शोभायात्रा संजय कालोनी के विभिन्न मार्गों से गुजरती हुई पापड़ के हनुमान पहुंचकर अपने निशान चढ़ाये। विदित रहे कि इस पदयात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर भक्तों ने मिठाईयां बांटी वहीं कई तरह के ज्यूस,आईसक्रीम, फल, ठंडा पानी के साथ फूलों की बरसात करते हुए स्वागत कर रहे थे। भव्यता लिए इस कार्यक्रम में संजय कॉलोनी के साथ आसपास की कॉलोनियों के भक्तों ने भी एकजुटता का संदेश दिया। इस मौके पर बालाजी के कई प्रकार के उद्घोषों के साथ महिलाएं और पुरुष नृत्य-संगीत में अपना जलवा दिखा रहे थे। महिलाओं की नृत्य-संगीत की बानगी सभी को भा रही थी। डीजे की धुन पर बेहताशा भक्तिमय होकर बालाजी के जयकारों के साथ शोभायात्रा का एक नजारा ही अलग अंदाज में भक्तिरस के आनंद का अहसाय करा रहा था। महिलाएं अपने परम्परागत गणवेश में थी तो वहीं पुरुष भी अपने गणवेश में बालाजी की पताका लहरा रहे थे। कितना सुन्दर अद्भूत नजारा था जब आगे महिलाएं नृत्य करती चल रही थी डीजे की सुरीली धुन गीतों की बौछार कर रही थी, वहीं लंबी कतारों में चल रहे पुरुष अपनी जगह नृत्य-संगीत का आनंद ले रहे थे।

संजय कॉलोनी से प्रात: प्रारंभ हुई पदयात्रा दोपहर में पापड़ के हनुमान मंदिर पहुंचकर अपनी आस्था की प्रतीक चिन्ह मंदिर परिसर में बालाजी को समर्पण किया साथ ही अपनी आस्था व्यक्त की। इस शोभायात्रा में बच्चों ने हनुमानजी के अनेक रूप धरकर सभी को रोमांचित किया तथा वॉनर सेना के साथ मुख्य हनुमान बनकर सभी को खूब गुदगुदाया। विदित रहे कि यह कार्यक्रम सामूहिक रूप से कॉलोनी वासियों ने मिलकर किया है और यह पदयात्रा प्रतिवर्ष कई वर्षों से अनवरत् चली आ रही है। इस अवसर पर कॉलोनी के वाशिंदे जिनमें मुख्यतया डॉ.सुनील शर्मा एडवोकेट, सुरेश चन्द गर्ग, राजीव वर्मा, ओमप्रकाश वर्मा, रामगोपाल शर्मा, महेश शर्मा, लखन लाल अग्रवाल, दिनेश सोनी, संजय शर्मा, सुनील प्रकाश शर्मा, विनोद सिंह भंडारी, नवीन चौपड़ा, हंसराज चौधरी, विकास शर्मा, मनीष अग्रवाल, दीपक शर्मा, दीपक जोशी, दीपक तुलस्यान एवं नरेन्द्र सिखवाल के निर्देशन में पापड़ के हनुमान मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसादी का लुत्फ उठाया।

श्री मनसापूरण हनुमान मन्दिर में धूमधाम से मनाया हनुमान जन्मोत्सव

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर - करतारपुरा के श्री मनसापूरण हनुमान मन्दिर में दो दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मन्दिर महंत राधेश्याम लल्लू महाराज के सानिध्य में हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के तहत 23 अप्रेल को हनुमान जन्मोत्सव के दिन श्री मनसापूरण हनुमान जी का प्रात 8 बजे वैदिक मंत्रोचार के साथ दुग्धाभिषेक एवं रूद्रपाठ किया गया। संध्याकाल में 11000 लड्डूओं का भोग लगा कर महाआरती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपनी उप?स्थिति दर्ज कराई।

साथ ही मंदिर में बालाजी की आकर्षक फूल बंगला झांकी सजाई गई। इस दौरान भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें कई ख्याति प्राप्त गायक कलाकरों ने अपने भजनों से प्रभु का गुणगान किया। भजन संध्या में गायक कलाकारों ने अपने भजन प्रस्तुतियों से वीर बजरंग बली को रिझाया तो सजीव झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। देर रात तक चले कार्यक्रम में नाचते गाते वीर बजरंगबली का जयकारा लगाते हुए आनंद के साथ हनुमान जन्मोत्सव मनाया।

एमजीपीएस ने मनाया अपना 24 वाँ स्थापना दिवस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर के प्रतिष्ठित विद्यालय माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल ने अपने 24वें स्थापना दिवस की खुशियाँ रंगारंग कार्यक्रम के माध्यम से अभिव्यक्त की। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महोदय के रूप में श्रीमान राकेश जी ख्यालिया स।ह विद्याधर नगर व विशिष्ट अतिथि महोदय के रूप में शिवभक्त श्री रामचरण जी परवाल की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी । ईसीएमएस वाइस चेयरमैन श्रीमान बजरंगलाल जी बाहेती, मानद सचिव श्री घनश्याम जी कचौलिया, प्रधानाचार्या डॉ.सुनीता जी वशिष्ठ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। तत्पश्चात मुख्य अतिथि महोदय व विशिष्ट अतिथि महोदय का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर व पटका पहनाकर किया गया। स्वागत उद्बोधन में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ.सुनीता जी वशिष्ठ ने पधारे हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की अद्भुत यात्रा का संक्षिप्त परिचय दिया।उन्होंने माहेश्वरी समाज का लक्ष्य ङ्क'बालिकाओं का सर्वांगीण विकास' में, विद्यालय की भूमिका को रेखांकित किया और यह विश्वास दिलाया कि प्रत्येक परिस्थिति में विद्यालय अपने संस्कारों की धरोहर को आगामी पीढ़ी को देता रहेगा । उन्होंने विद्यार्थियों को याद दिलाया कि वे देश का भविष्य हैं और उन्हें अपने साहस,प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ स्कूल की विरासत को और अधिक ऊँचाई तक ले जाने के लिए लगातार प्रयास करने की आवश्यकता है 7 वाइस चेयरमैन महोदय ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस संस्था के संस्थापक ने जो स्वप्न देखा था , आज उसको पूरा होते हुए देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इसका श्रेय उन्होंने विद्यालय प्रबंध समिति, प्रधानाचार्या, शिक्षक व छात्रों के अथक परिश्रम व उनके आपसी सहयोग को दिया।इस अवसर पर विद्यालय छात्रा याशिका को गीता के बारहवें अध्याय के बीस श्लोकों का लगभग डेढ़ मिनट में गान करने के लिए' वर्ल्ड रिकॉर्ड' बनाने पर मेडल द्वारा प्रोत्साहित किया गया।मुख्य अतिथि महोदय ने शिक्षा के क्षेत्र में माहेश्वरी समाज के प्रयासों को अतुलनीय बताया।

मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर ने ऑनलाइन शिक्षार्थियों के लिए अपने साथियों और फैकल्टी मेंबर्स से व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए 'एकम 2024' का आयोजन किया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर (एमयूजे) ने मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर परिसर में अपने साथियों और फैकल्टी मेंबर्स से मिलने के लिए ऑनलाइन डिग्री के शिक्षार्थियों के लिए एक व्यक्तिगत कार्यक्रम एकम 2024 का आयोजन किया। देश भर से एमबीए, एमसीए, एमसीओएम, बीसीए, बीबीए, बीसीओएम और एमए-जेएमसी सहित एमयूजे के विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों में नामांकित लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। ऑनलाइन शिक्षार्थियों को मिलने और मूल्यवान कनेक्शन बनाने के लिए एक इंटरैक्टिव स्थान बनाने के लिए हर साल एकम का आयोजन किया जाता है जो उनकी शैक्षणिक यात्रा में उनके समग्र विकास में योगदान देगा। इस आयोजन में विशेष रूप से ऑनलाइन शिक्षार्थियों को एक-दूसरे से जुड़ने और बातचीत करने के लिए आयोजित गतिविधियों और कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शामिल थी। ऑनलाइन शिक्षार्थी और संकाय सदस्य संगीत, नृत्य, थिएटर, कविता और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच पर आए। शिक्षार्थियों को व्यक्तिगत रूप से अपने संकाय के साथ बातचीत करने और

सार्थक बातचीत करने का अवसर मिला। कार्यक्रम का उद्घाटन कमोडोर (डॉ.) जवाहर एम जांगिड़, प्रो प्रेसिडेंट, मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर ने किया, जिन्होंने ऑनलाइन छात्रों का स्वागत किया। कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, ÷हमने अपने ऑनलाइन कार्यक्रमों के लिए छात्रों के नामांकन में जबरदस्त वृद्धि देखी है। अब तक 50,000 से अधिक छात्रों ने नामांकन कराया है। ऑनलाइन मोड में, जबकि हम भौतिक दूरी से अलग हो सकते हैं, हम ज्ञान, विकास और अवसर की साझा खोज से एकजुट हैं और एकम हर साल आयोजित होने वाला एक कार्यक्रम है ताकि छात्र अपने संकाय और साथियों से व्यक्तिगत रूप से मिल सकें।

मुझे खुशी है कि छात्र बड़ी संख्या हमारे कैंपस में आये हैं। मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन के निदेशक डॉ मल्लिकार्जुन गडपा ने भी इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए छात्रों का आभार व्यक्त किया और कहा, ÷मैं इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए देश भर से आए छात्रों को देखकर रोमांचित हूं। एकम ऑनलाइन शिक्षार्थियों की शैक्षणिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि उन्हें परिसर का अनुभव करने का अवसर मिलता है, एकम सिर्फ एक दिवसीय कैंपस दौरे से कहीं अधिक है। यह शिक्षार्थियों के लिए नई अंतर्दृष्टि और दृष्टिकोण प्राप्त करने और उनके समग्र शैक्षणिक अनुभव को बढ़ाने का एक मौका है। शिक्षार्थियों ने अपने साथियों और संकाय से व्यक्तिगत रूप से मिलने और लंबे समय तक चलने वाले बंधन बनाने के लिए उत्साह व्यक्त किया। कार्यक्रम में अपने अनुभव के बारे में बोलते हुए, एमयूजे से ऑनलाइन बीबीए की छात्रा नैना चोपड़ा, जो ऑनलाइन मणिपाल के इन-हाउस सामुदायिक नेटवर्किंग ऐप की सामुदायिक प्रबंधक भी हैं, ने कहा, ÷एकम ने सभी ऑनलाइन शिक्षार्थियों को एक अवसर दिया है। हमारी सीखने की यात्रा के एक भाग के रूप में अपने साथियों के साथ मौज-मस्ती भरा और स्वास्थ्यप्रद दिन रहा।

न्यायिक अधिकारियों के हुये स्थानान्तरण

कोटपूतली । राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर द्वारा न्यायिक अधिकारियों के स्थानान्तरण किये गये है। स्थानीय न्यायालय में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निलेश चौधरी व ऋचा चौधरी का स्थानांतरण कामा भरतपुर किया गया है। निलेश चौधरी व ऋचा चौधरी दोनों अधिकारी कोटपूतली में विगत 3 वर्षों से सेवायें दे रहे थे। निलेश चौधरी के स्थान पर नीमकाथाना से सरिता यादव को स्थानान्तरित कर लगाया गया है। जबकि ऋचा चौधरी के स्थान पर डॉ. अजय कुमार बिश्नोई का पोकरण जैसलमेर से स्थानान्तरण कर कोटपूतली लगाया गया है।

सीएमएचओ ने किया राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल का निरीक्षण

वार्ड एवं साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, मरीजों के स्वास्थ्य की ली जानकारी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली । कोटपूतली-बहरोड़ सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल के पीएमओ डॉ. सुमन यादव के साथ जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। जिला नोडल अधिकारी रविकांत जांगिड़ ने बताया कि मौसमी बीमारियों को देखते हुए सीएमएचओ ने पीएमओ के साथ जिला अस्पताल की विजिट की। सीएमएचओ व पीएमओ द्वारा संयुक्त रूप से वार्ड एवं साफ सफाई की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। पीएमओ ने बताया की मौसमी बीमारियों के दौरान संस्था पर आईपीडी की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। प्रतिदिन लगभग 30 से 40 मरीज संस्था पर उल्टी, दस्त एवं बुखार के भर्ती हो रहे हैं। सीएमएचओ डॉ. शेखावत ने गर्मी के मौसम को देखते हुए वार्ड में कूलर लगवाने एवं वार्डों में स्थित टॉयलेट की दिन में दो से तीन बार सफाई करवाने के निर्देश दिये। सीएमएचओ द्वारा वार्ड में भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली गई। पीएमओ ने जिला अस्पताल में सभी प्रकार की दवाईयां एवं जांच की उपलब्धता की जानकारी दी। इस दौरान नर्सिंग अधिकारी मक्खन लाल, पूरणमल समेत चिकित्सक एवं वार्ड प्रभारी मौजूद रहे।

आगजनी की घटना- कॉस्टेबल ने तत्परता दिखाते हुए झुलसे युवक को बचाया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

चितलवाना । जालोर जिलान्तर्गत भीनमाल शहर के राधिका होटल के पास सोमवार को गेंस सिलेंडर लीकेज के कारण आगजनी से बंद कमरे में रसोई बना रहा युवक झुलस गया। जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर भीनमाल शहर में स्थित नीतीश गैरेज बॉडी में काम करने वाला युवक उदयपुर गोगुन्दा निवासी मदनलाल पुत्र हीरालाल हाल भीनमाल अपने किराए के कमरे में रसोई बना रहा था इस दौरान गेंस सिलेंडर लीकेज के कारण अचानक कमरे मे आग लग गई। आगजनी की घटना को लेकर लोगो ने जरिए टेलीफोन स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। टेलीफोन के जरिए मिली सूचना के बाद भीनमाल पुलिस अतिशीघ् घटनास्थल पहुँची। पुलिस जाब्ता पहुंचा तबतक बन्द कमरे मे आग फैल चुकी थी और रसोई बना रहा युवक मदनलाल पूरी तरह आग की चपेट में आ चुका था। इस दौरान पुलिस जाब्ते में मौजूद कांस्टेबल हड़मानाराम विशनोई बेल्ट नंबर 763 पीएस भीनमाल ने इंसानियत व बहादुरी का परिचय देते हुए आग की चपेट में आए कमरे में घुसकर कमरे के अंदर आग से झुलसे युवक मदनलाल को बाहर लाकर तुरंत अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि आगजनी से युवक का करीब 30 फीसदी शरीर जल गया था। फिलहाल युवक का ईलाज जारी है और युवक की स्थति स्थिर बताई जा रही है।

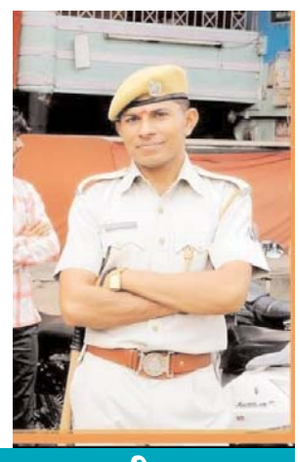

पुलिस कांस्टेबल के साहस की सराहना

राजस्थान पुलिस विभाग से बतौर कांस्टेबल वर्तमान पुलिस थाना भीनमाल में सेवा दे रहे कांस्टेबल हड़मानाराम विशनोई बेल्ट नंबर 763 ने आगजनी के वक्त इंसानियत ओर बहादुरी का परिचय देते हुए आग की चपेट में आ चुके कमरे में झुलस रहे युवक को बचाने हेतु अपनी जान की परवाह किए बगैर आग में कूदकर झुलस रहे युवक को आग से बचाकर अस्पताल पहुंचाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। आगजनी की घटना के दौरान कांस्टेबल के साहसिक कार्य को देखकर घटनास्थल पर मौजूद सेकड़ो नागरिको ने कांस्टेबल के साहस की सराहना करते हुए राजस्थान सरकार तथा पुलिस विभाग से अपील की है कि ऐसे जांबाज सिपाही को नियमानुसार सम्मानित करते हुए प्रमोशन देकर कांस्टेबल का हौसला अफजाई किया जाना चाहिए।

साहसिक कार्य करने वाले कांस्टेबल से हमारे संवाददाता की बातचीत

भीनमाल शहर में सोमवार दोपहर को रसोई पकाते समय इंडेन गैस सिलेंडर लीकेज की वजह से आगजनी से झुलसे युवक को बचाने वाले कांस्टेबल की अहम भूमिका रही। राजस्थान पुलिस विभाग के सिपाही हड़मानाराम विशनोई के साहसिक कार्य को लेकर जब हमारे संवाददाता भंवरलाल विशनोई ने बात की तो कांस्टेबल ने बताया कि घटना चाहे आगजनी की हो या सड़क दुर्घटना या हो प्राकृतिक आपदा से संबधित। इस दौरान जो भी प्राणी संकट में होता है प्रथम दृष्टया उसकी मदद करना ही मानवता है ओर यही मनुष्य का धर्म है। ऐसे में हमने हमारी ड्यूटी के साथ साथ मानवता का परिचय देते हुए सोमवार को शहर में स्थित किराए के कमरे में युवक रसोई बना रहा था इस दौरान गेंस सिलेंडर लीकेज के कारण कमरे में आग लगने से अफरातफरी मच गई। आगजनी की सूचना के दौरान जब पुलिस मौके पर पहुँची तो आग की चपेट में आए कमरे में एक युवक झुलस रहा था। इस दौरान ईश्वर की कृपा से बिना विलंब किए हमने हिम्मत जुटाते हुए अपने जान की परवाह किए बगैर आग की चपेट में आए कमरे में घुसकर आग से झुलस रहे युवक को बचाकर कमरे से बाहर निकालकर तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

गैरेज मालिक ने थाने मे रिपोर्ट पेश कर कार्यवाही की मांग की

भीनमाल स्थित नितेश मोटर बॉडी गैरेज मालिक ने पीएस भीनमाल में रिपोर्ट पेश करके कार्यवाही की मांग की है। गैरेज मालिक हीरालाल पुत्र पन्नालाल जाती लूहार भीनमाल निवासी ने रिपोर्ट पेश करके बताया है की सोमवार दोपहर को मेरा बेटा मदनलाल रसोई में गेंस पर खाना पका रहा था इस दौरान गेंस रिसाव के कारण सिलेंडर ने आग पकड़ ली। आगजनी से मेरा बेटा मदन झुलस गया। साथ ही रसोई में लगी आग ने गैरेज को भी चपेट में ले लिया। ऐसे में आगजनी से गैरेज में रखा करीब 10 लांख का सामना भी जलकर राख हो गया। अतः प्रार्थी ने पुलिस को रिपोर्ट पेश कर आगजनी से हुए नुकसान की कार्यवाही की मांग की है।

इनका कहना है

कांस्टेबल हनुमान ने आगजनी की घटना में जो साहसिक कार्य किया वाकई काबिले तारीफ है ढ्ढ इसके बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा

बाबूलाल जांगिड़, एसएचओ पीएस भीनमाल।

सोमवार दोपहर को जरिए टेलीफोन सूचना मिली थी कि शहर के राधिका होटल के पास आगजनी की घटना हुई है। सूचना के दौरान स्थानीय पुलिस ने मय जाब्ता मौके पर पहुंचकर देखा तो एक बंद कमरे में आग लगी हुई थी कमरे के आगे का शटर बन्द था जबकि कमरे के पीछे एक छोटा दरवाजा था उसमें से होकर मैं अंदर गए तो देखा एक युवक झुलस रहा था। इस दौरान मैने मेरी ड्यूटी समझते हुए बिना समय जाया किए भभकती आग से झुलसे युवक को बाहर निकालकर पुलिस जाब्ते के सहयोग से तुरंत शहर के निजी अस्पताल पहुंचाकर ईलाज शुरू करवाकर घायल युवक की जान बचाई।

हड़मानाराम विशनोइ, कांस्टेबल राजस्थान पुलिस पीएस भीनमाल।

राजस्थान पीसीपीएनडीटी टीम का सफल डिकॉय ऑपरेशन – गुजरात के बनासकांठा में भ्रूण लिंग परीक्षण कराते दलाल को पकड़ा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राज्य पीसीपीएनडीटी प्रकोष्ठ ने सोमवार को गुजरात के बनासकांठा के धानेरा में सफल डिकॉय ऑपरेशन करते हुए भ्रूण लिंग परीक्षण में शामिल दलाल राजूराम विश्नोई पुत्र श्री हरिराम विश्नोई निवासी सांकड़ जिला सांचौर हाल संविदाकर्मी जीएनएम पीएचसी सांकड़ जिला सांचौर को गिरफ्तार किया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह ने बताया कि पिछले दिनों पीसीपीएनडीटी सेल जयपुर को जालौर जिले के आसपास के क्षेत्र में भ्रूण लिंग जांच की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना की पुष्टि के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पीसीपीएनडीटी श्री के.के. अवस्थी के निर्देशन में टीम का गठन किया गया।

डिकॉय ऑपरेशन के लिए तैयार कार्ययोजना के तहत निरीक्षण दल जालौर पहुंचा। डिकॉय टीम ने दलाल से सम्पर्क किया, जो कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सांकड़ में संविदा रूप में जीएनएम पद पर कार्यरत है। दलाल गर्भवती महिला को भ्रूण लिंग जांच के लिए सीमावर्ती राज्य गुजरात ले जाने के लिए तैयार हो गया तथा भ्रूण लिंग परीक्षण की एवज में 45 हजार रुपये एडवांस प्राप्त कर लिए। दलाल गर्भवती महिला को पूजा हॉस्पिटल धनेरा बनासकांठा गुजरात में लेकर गया। टीम में सतर्कता और सावधानी से लगातार दलाल का पीछा किया। गर्भवती महिला के इशारे उपरांत टीम ने दबिश देकर दलाल राजूराम को गिरफ्तार कर लिया। अनुसंधान में पता चला कि दलाल ने धोखाधड़ी करते हुए गर्भवती को पूजा हॉस्पिटल धनेरा बनासकांठा गुजरात में ले जाकर डॉक्टर से गर्भवती महिला के पेट में दर्द की शिकायत कर जांच करवाई तथा बाहर निकल कर गर्भवती को भ्रूण लिंग की जानकारी दी। आरोपी दलाल के पास से भ्रूण लिंग परीक्षण के लिए ली गई राशि के हू-ब-हू नंबरी नोट भी बरामद किये है।

टीम में तीन पुलिस निरीक्षक गुंजन सोनी, अनिल जैमन एवं प्रीति चेची एवं अन्य कार्मिक शामिल रहे। कानिस्टेबल कैलाश, ललित मुकेश एवं शानू तथा जिला समन्वयक पीसीपीएनडीटी श्री शंकर सुथार, पाली के महेश कुमार की भी भूमिका रही।

एसएमएस अस्पताल में रक्तदान के बाद युवक को आया हार्टअटैक, मौत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में रक्तदान करने के बाद हार्टअटैक आने से एक युवक की मौत हो गई। डॉक्टरों ने हार्टअटैक आने की पुष्टि की है। रक्तदान के बाद युवक के अचानक सीने में दर्द की शिकायत हुई, उसे तत्काल इमरजेंसी में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एसएमएस हॉस्पिटल में इमरजेंसी के उप अधीक्षक डॉ. जगदीश मोदी ने बताया- 27 साल का नीतेश मंगलवार सुबह अपने नाना के लिए रक्तदान करने आया था। ब्लड देने के बाद वह मामा के साथ अस्पताल के बाहर चाय पीने गया। इस दौरान उसके सीने में तेज दर्द हुआ। तभी उसे हॉस्पिटल की इमरजेंसी में लेकर आए,

जहां उसे डॉक्टरों ने देखा और सीपीआर दी, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। डॉ. मोदी ने बताया कि युवक की मौत का प्राथमिक कारण कार्डियक अरेस्ट ही माना जा रहा है। युवक चाकसू का रहने वाला है। हॉस्पिटल प्रशासन का कहना है कि युवक ब्लड डोनेट करने सुबह करीब 10-15 बजे आया था। ब्लड डोनेट करने के बाद चला गया। इसके बाद उसे दोपहर करीब 12.15 बजे इमरजेंसी में लाया गया।

आफरी में पृथ्वी दिवस कार्यक्रम का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जोधपुर। भावाअशिप-शुष्क वन अनुसन्धान संस्थान, जोधपुर में पृथ्वी दिवस-2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा, देहरादून के 69 प्रशिक्षु अधिकारियों के एक समूह ने अमलेंदु पाठक, भा.व.से., व्याख्याता के नेतृत्व में पृथ्वी दिवस-2024 कार्यक्रम में भाग लिया इ संस्थान के निदेशक एम. आर. बालोच, भा.व.से., प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने अपने उद्बोधन में आफरी द्वारा जैव विविधता, वन एवं पर्यावरण के क्षेत्र में चल रही विभिन्न परियोजनाओं को विस्तार से बताते हुए पश्चिमी पारिस्थितिकी तंत्र में इनकी उपयोगिता का उल्लेख किया इ इस कार्यक्रम में डॉ. तरुण कान्त, वैज्ञानिक-जी एवं समूह समन्वयक (शोध) ने पृथ्वी दिवस-2024 की थीम-पृथ्वी बनाम प्लास्टिक पर पावर पॉइंट प्रस्तुतिकरण में सिंगल यूज़ प्लास्टिक से होने वाली हानि को रीसाइक्ल व अपसाइक्ल के द्वारा निदान को विस्तार से बताया। अमलेंदु पाठक ने भ्रमण कार्यक्रम की रुपरेखा के बारे में बताया इ कार्यक्रम में समस्त प्रभागाध्यक्ष उपस्थित रहे इ कार्यक्रम का संचालन डॉ. संगीता सिंह, प्रभागाध्यक्ष, विस्तार प्रभाग एवं धन्यवाद ज्ञापन अनिल सिंह चौहान,एसीटीओ ने किया इ प्रशिक्षु दल को डॉ. संगीता सिंह, प्रभागाध्यक्ष, विस्तार प्रभाग ने विस्तार एवं निर्वचन केंद्र में आफरी द्वारा किये गए अनुसंधान कार्यों के बारे में जानकारी प्रदान की।

जयपुर के दवाइयों की दुकान में चोरी, रॉड से शटर ऊंचाकर घुसे बदमाश

जयपुर। जयपुर में एक मेडिकल शॉप में चोरी का मामला सामने आया है। शटर ऊंचाकर बदमाश शॉप के अंदर घुसे। गल्ले का लॉक तोड़कर 70 हजार रुपए चोरी कर ले गए। बजाज नगर थाना पुलिस वारदातस्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ चोरों की तलाश कर रही है।

फूलचंद ने बताया- जगतपुरा निवासी संजीव वर्मा (44) ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। बजाज नगर में उनकी नारायण मेडिकल के नाम से शॉप है। 21 अप्रैल की रात करीब 10 बजे रोज की तरह शॉप लॉक कर घर गए थे। पीछे से दो बदमाशों ने चोरी के लिए शॉप को निशाना बनाया। लोहे की रॉड से दुकान के शटर को बीच से ऊंचाकर बदमाश अंदर घुसे।

चांदी की दो मूर्तियां चोरी की

गल्ले का लॉक तोड़कर उसमें रखे 70 हजार रुपए, चांदी की दो मूर्तियां व सिक्का चोरी कर ले गए। अगले दिन सुबह पड़ोसी मंदिर के पुजारी ने कॉल कर शॉप में चोरी की सूचना दी। दुकान पहुंचने पर सामान बिखरा मिला। गल्ले में रखे रुपए गायब थे। बजाज नगर थाना पुलिस ने सूचना पर सबूत जुटाए। वारदातस्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर बाइक सवार नकाबपोश दो बदमाश दिखाई दे रहे हैं।

तेज रफ्तार बाइक ने दूसरी बाइक में मारी टक्कर दूसरी बाइक पर सवार युवक की हुई मौत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

राजाखेड़ा। राजाखेड़ा उपखंड के बाईपास मार्ग पर पुराने कोर्ट के पास सोमवार देर शाम एक तेज रफ्तार बाइक ने दूसरी बाइक में टक्कर मार दी। इस घटना में दूसरी बाइक पर सवार एक युवक की मौत हो गई वहीं एक अन्य युवक घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार सुबह मृतक के परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है और मामले में जांच की जा रही है।जानकारी के मुताबिक मृतक युवक नीतेश पुत्र अशोक कुमार निवासी जाटवान कला, पठान मोहल्ला फतेहाबाद राजाखेड़ा के छैकुरिया बस्ती स्थित अपनी ससुराल में साली के शादी समारोह में शामिल होने के लिए आया हुआ था। जहां सोमवार देर शाम करीब 9:30 से 10 के बीच बाईपास रोड पर पिनाहट तिराहे की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार नीतेश गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे आनन-फानन में उसके रिश्तेदार इलाज के लिए राजाखेड़ा सीएचसी लेकर पहुंचे जहां उसे प्राथमिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। जिसके बाद रिश्तेदार उसे आगरा लेकर गए जहां युवक ने दम तोड़ दिया।

युवक की मौत से शादी वाले घर में मातम में बदली खुशियां

मृतक युवक के ससुराली जनों से मिली जानकारी के मुताबिक नीतेश अपनी ससुराल में साली के शादी समारोह में शामिल होने के लिए आया हुआ था। मंगलवार शाम बारात आने वाली थी, ऐसे में शादी समारोह को लेकर मैरिज गार्डन में तैयारियां चल रहीं थी। लेकिन अब युवक की मौत के बाद शादी वाले घर में खुशियां मातम में बदल गई हैं। रिश्तेदारों और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक युवक अपने पीछे एक 5 साल की मासूम बच्ची और 3 साल के मासूम बच्चे को छोड़ गया है। समाचार लिखे जाने तक घटना को लेकर परिजनों द्वारा अभी पुलिस में रिपोर्ट नहीं दी है।

संत पागल बाबा के सानिध्य में 24 अप्रैल से तीर्थराज मचकुंड पर होगी भागवत कथा एवं यज्ञ

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। अवधूत संत श्री श्री 1008 श्री पागल बाबा के सानिध्य में रानी गुरु मंदिर तीर्थराज मचकुंड धौलपुर पर 24 अप्रैल, बुधवार से विष्णु महायज्ञ एवं भागवत सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। जिसे लेकर मंगलवार शाम को पागल बाबा संत भक्तों के साथ कथा स्थल पर पहुंचे। जहां उन्होंने व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। संत पागल बाबा ने बताया कि रानी गुरु मंदिर मचकुण्ड पर 24 अप्रैल से 4 मई तक विष्णु महायज्ञ एवं भागवत सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। 5 मई को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यज्ञ एवं भागवत सप्ताह को लेकर 24 अप्रैल, बुधवार को सुबह 8 बजे से रानी गुरु मंदिर से कलश यात्रा निकाली जाएगी।

जो तीर्थराज मचकुण्ड सरोवर की परिक्रमा करते हुए कथा स्थल पर पहुंचेगी। जिसके बाद 10 बजे से यज्ञ शुरू होगा और 12 बजे से भागवत सप्ताह शुरू होगी। संत पागल बाबा ने भक्तगणों से कलश यात्रा, यज्ञ एवं भागवत सप्ताह में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है। इस अवसर पर रानी गुरु मंदिर के महंत रामदास, लाड़ली जगमोहन मंदिर के महंत कृष्णदास सहित अन्य संत और भक्त मौजूद रहे।

जलवायु परिवर्तन पर गठित मल्टी-सेक्टोरल स्टेट लेवल टास्क फोर्स की बैठक

लू-तापघात से बचाव के लिए विभाग बनायेंगे एक्शन प्लान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती शुभ्रा सिंह ने प्रदेश में लू-तापघात की स्थिति से निपटने के लिए संबंधित विभागों को उनसे जुड़े दायित्वों के लिए एक्शन प्लान बनाने तथा नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग पूर्ण समन्वय के साथ कार्य करते हुए लू एवं तापघात से बचाव के लिए प्रभावी उपाय एवं व्यापक जनजागरूकता गतिविधियों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।शुभ्रा सिंह मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में जलवायु परिवर्तन पर गठित मल्टी-सेक्टोरल स्टेट लेवल टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा प्रदेश में भीषण गर्मी एवं अत्यधिक लू की चेतावनी दी गई है। इसे ध्यान में रखते हुए विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। साथ ही, केन्द्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार लू-तापघात जैसी स्थितियों से निपटने के लिए व्यापक कार्यवाही सुनिश्चित की जानी है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि वन विभाग जंगलों में आगजनी की घटनाओं को रोकने तथा आगजनी से बचाव के लिए आवश्यक उपाय करने के साथ ही वन क्षेत्र में रह रहे परिवारों को जागरूक करें। उन्होंने स्थानीय निकाय विभाग को निर्देश दिये कि राजकीय एवं निजी अस्पतालों के साथ ही अन्य संस्थानों में फायर ऑडिट एवं फायर एनओसी के कार्य को अभियान चलाकर यथाशीघ्र पूरा करें। सिंह ने कहा कि ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को लू-तापघात से बचाने के लिए आश्रय स्थल एवं छायादार स्थानों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। मनरेगा साइट्स पर श्रमिकों के लिए छाया, पानी एवं मेडिकल किट इत्यादि की पर्याप्त उपलब्धता हो। आमजन को लू-तापघात तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए ग्राम सभाओं में आवश्यक जानकारी दी जाये। लोगों को गर्मीजनित बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक किया जाये। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को घर-घर तक पहुंच है। वे आमजन को गर्मीजनित बीमारियों के संबंध में आवश्यक जानकारियां उपलब्ध करवाएं तथा बीमारी के लक्षण पाये जाने पर उन्हें उपचार के लिए प्रेरित करने में सहयोग करें। उन्होंने स्कूलों में नो-बैग-डे के अवसर पर विभिन्न आईईसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को गर्मीजनित बीमारियों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिये। उन्होंने आईईसी एवं अन्य गतिविधियों में एनसीसी व स्काउट-गाइड, एनजीओ, सिविल सोसायटीज इत्यादि संगठनों का सहयोग लेने पर भी बल दिया।

सिंह ने मौसम विभाग को तापमान एवं हीटवेव के संबंध में समय-समय पर अलर्ट जारी करने, आपदा प्रबंधन विभाग को आगजनी व अन्य आपदाओं से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां रखने तथा जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को स्वच्छ पेयजल की सुचारू आपूर्ति करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपनी-अपनी गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग करें और स्वास्थ्य विभाग को इसकी सूचना प्रेषित करें। बैठक में मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त श्री इकबाल खान, निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, अतिरिक्त निदेशक अस्पताल प्रशासन डॉ. सुशील कुमार परमार सहित संबंधित विभागों एवं यूनिसेफ के अधिकारीगण मौजूद रहे।

जयपुर में गणपति प्लाजा की चौथी मंजिल से कूदा युवक, खाना खाने के लिए ऑफिस से बाहर निकला था

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर के गणपति प्लाजा की चौथी मंजिल से कूद कर एक युवक ने मंगलवार को सुसाइड कर लिया। घटना दोपहर करीब डेढ़ बजे की है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

जालूपुरा थाना सीआई ममता मीणा ने बताया- गौरव त्रिपाठी (26) मूल रूप से नया बाजार होली धड़ा जंगली चबूतरा, अजमेर का रहने वाला है। वह कुछ महीने से गणपति प्लाजा की चौथी मंजिल पर स्थित शेखावाटी कॉम्पलेक्स में ऑफिस बॉय का काम कर रहा था। यहीं पर बने हुए एक कमरे में छोटे भाई के साथ रहता था।

गौरव खाना खाने जाने का कह कर ऑफिस से बाहर निकला था। फिर अचानक बालकनी में आकर नीचे कूद गया। कूदते हुए उसे ऑफिस स्टाफ में से किसी ने नहीं देखा। जमीन पर गिरने के बाद जब लोगों ने शोर किया तो तब शेखावाटी कॉम्पलेक्स में काम करने वाले लोगों को पता चला। शव को एसएमएस अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।

मौके पर ही युवक की मौत हो गई।

पुलिस ने मृतक की जेब से मोबाइल और कुछ अन्य सामान सीज किया है।

कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। जानकारी के अनुसार, उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। इसके चलते उसने यह कदम उठाया। पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है। गौरव की मां ने बताया- बेटा दिमागी रूप से बीमार था। उसका इलाज भी चल रहा था।

दो बार सुसाइड करने की कोशिश की

जालूपुरा सीआई ममता मीणा ने बताया- गौरव ने कूदने का दो बार प्रयास किया। दूसरी बार में नीचे गिरा। जमीन पर पड़ रही छांव को देखकर पता चल रहा है कि उसने दो बार कोशिश की थी।

राजस्थान में आज थम जाएगा दूसरे चरण का प्रचार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। लोकसभा चुनाव 2024 का दूसरे चरण के लिए मतदान 26 अप्रैल को होने वाला है। इस वजह से दूसरे चरण का प्रचार प्रसार 48 घंटे पहले बंद हो जाएगा। राजस्थान में दूसरे चरण में 13 सीटों पर मतदान होना है। वहीं यह राजस्थान में आखिरी चरण होगा। ऐसे में 26 अप्रैल को राजनीतिक पार्टियों के पास प्रचार प्रसार के आखिरी दिन शाम 6 बजे तक समय होगा। वहीं इसके बाद चुनाव आयोग के निर्देश लागू हो जाएंगे जो 48 घंटे तक लागू होगा जिसमें कई चीजों पर प्रतिबंध लगाए गए है।

राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में लोकसभा आम चुनाव-2024 के दूसरे चरण में मतदान के अंतिम 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार गतिविधियां 24 अप्रैल शाम 6 बजे से थम जाएंगी. दूसरे चरण में 13 लोकसभा क्षेत्रों टोंक-सवाईमाधोपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा और झालावाड़-बारां में 26 अप्रैल को मतदान होगा।

उन्होंने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के अनुसार, इन लोकसभा क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय से 48 घंटों की अवधि 24 अप्रैल को सायं 6 बजे से आरंभ होकर मतदान समाप्ति अवधि 26 अप्रैल को सायं 6 बजे तक प्रभावी रहेगी।

राजस्थान में 25-26 अप्रैल को क्या रहेगा प्रतिबंध

निर्वाचन के संबंध में कोई सार्वजनिक सभा या जुलूस न बुलाएगा, न आयोजित करेगा, न उसमें उपस्थित होगा, न उसमें सम्मिलित होगा और न उसे संबोधित करेगा.

द्वितीय चरण के चुनाव से सम्बंधित सिनेमा, चलचित्र, टेलीविजन या वैसे ही अन्य साधनों द्वारा जनता के समक्ष किसी निर्वाचन संबंधी बात का प्रदर्शन नहीं करेगा.

कोई संगीत समारोह या कोई नाट्य अभिनय या कोई अन्य मनोरंजन या आमोद-प्रमोद जनता के सदस्यों को उसके प्रति आकर्षित करने की दृष्टि से, आयोजित करके या उसके आयोजन की व्यवस्था करके, जनता के समक्ष किसी निर्वाचन संबंधी बात का प्रचार नहीं करेगा. कोई व्यक्ति यदि इन उपबंधों का उल्लंघन करता है, तो दो वर्ष तक कारावास या जुर्माना या दोनों सजा होगी।

कोई भी राजनैतिक व्यक्ति जो उस निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता या अभ्यर्थी नहीं है अथवा सांसद या विधायक नहीं है, वह उस निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार समाप्त होने के पश्चात् नहीं ठहर सकता।

राज्य की सुरक्षा कवच प्राप्त राजनैतिक व्यक्ति (अभ्यर्थी से भिन्न) यदि निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता है, तो वह अपने मताधिकार का उपयोग करने के बाद क्षेत्र में आवाजाही नहीं करेगा।

इस दौरान अंतरराज्यीय सीमाएं भी सील रहेंगी।

इन क्षेत्रों में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध के साथ सूखा दिवस रहेगा, प्रिंट मीडिया में राजनैतिक विज्ञापनों का प्रकाशन अधिप्रमाणन के बाद ही किया जा सकेगा। राजस्थान में ओपिनियन पोल या अन्य पोल सर्वे के प्रसारण पर प्रतिबंध रहेगा. साथ ही, एग्जिट पोल के परिणामों को समाचार पत्रों में प्रकाशित या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रसारित करना अथवा अन्य किसी तरीके से प्रचार-प्रसार करने पर भी पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा. एग्जिट पोल पर यह प्रतिबंध लोकसभा चुनाव के 7वें चरण के मतदान दिवस 1 जून को शाम 6:30 बजे तक जारी रहेगा। निर्वाचन मशीनरी एवं पुलिस प्रशासन सुनिश्चित करेंगे कि सामुदायिक केंद्रों, धर्मशालाओं, गेस्ट हाऊस, लॉज, होटलों आदि में ठहरे हुए बाहरी व्यक्तियों की जानकारी और सत्यापन किया जाए तथा बाहर से आने वाले वाहनों पर भी निगरानी रखी जाए।

हल्दी की रस्म के दौरान दूल्हे की मौत

जयपुर। शादी के कुछ घंटे पहले दूल्हे की मौत हो गई। कोटा शहर के एक होटल में शादी की रस्में चल रही थीं, परिवार के लोग हल्दी के बाद दूल्हे को नहलाने ले जा रहे थे। इस दौरान दूल्हे का हाथ पोल पर लग गया और दूल्हा अचेत होकर गिर गया। परिजन तुरंत एमबीएस हॉस्पिटल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसा शहर के नांता थाना क्षेत्र के बूंदी रोड स्थित होटल मेनाल रेजीडेंसी का है। डीएसपी राजेश सोनी ने बताया-बूंदी रोड स्थित एक निजी होटल में केशवपुरा इलाके के निवासी सूरज सक्सेना (29) की शादी की रस्में चल रही थीं। दोपहर करीब दो बजे हल्दी की रस्म थी। परिवार और नाते-रिश्तेदार रस्म अदा कर रहे थे। दूल्हे को हल्दी लगाने के बाद स्विमिंग पूल की तरफ नहलाने ले जा रहे थे। स्विमिंग पूल के पास डेकोरेशन के लिए एक पाइप लगा रखा था। दूल्हे ने वो पाइप पकड़ लिया और करंट की चपेट में आ गया। करंट लगने से दूल्हा अचेत होकर गिर गया। परिजन उसे तुरंत एमबीएस हॉस्पिटल लेकर गए, लेकिन उसकी मौत हो गई। शव को एमबीएस हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। सूरज गुड़गांव स्थित एक कंपनी में काम करता था। दो बहनों का इकलौता भाई था। माता-पिता रिटायर्ड हो चुके है। शादी के लिए कुछ दिन पहले ही गुड़गांव से कोटा आया था। मंगलवार रात को महिला संगीत का कार्यक्रम था। आज हल्दी के बाद रात को शादी होनी थी।

डीएसपी राजेश सोनी ने बताया- सूरज की बिहार निवासी युवती से शादी होनी थी। लड़की के परिजन कोटा आए हुए हैं। परिजनों की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। नांता थाना सहायक नवल किशोर ने बताया कि प्रोग्राम में करंट लगा है तो प्रबंधन में कहीं ना कहीं कमी रही होगी। इसमें मामला दर्ज कर जांच करेंगे। जांच के बाद ही स्थिति साफ होगी।

होटल मालिक नदीम ने कहा कि हल्दी की रस्म के बाद रिश्तेदार स्विमिंग पूल से बाल्टियां भरकर एक दूसरे पर डाल रहे थे। वहां कूलर लगे हुए थे। पानी से पूरा कारपेट गीला हो चुका था। सम्भवतया अर्थिंग की वजह से करंट लगा है। जिस पोल से करंट आना बता रहे हैं। उसमें कनेक्शन नहीं था। उसमें लगी लाइट तो रात को चालू करते हैं। दिन में लाइट जलाने का मतलब ही नहीं है।

राजस्थान के 9 जिलों में बारिश का अलर्ट

जयपुर। राजस्थान में फिलहाल गर्मी कंट्रोल रहेगी। 26 अप्रैल से एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस उत्तर भारत के ऊंचे पहाड़ों पर एक्टिव होगा। इसके प्रभाव से राजस्थान के 9 जिलों में बारिश और धूलभरी हवा चल सकती है। हालांकि इस सिस्टम का ज्यादा प्रभाव नहीं रहेगा, लेकिन तापमान कंट्रोल रह सकता है। राजस्थान में आ रहे बैक टू बैक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के प्रभाव से तापमान सामान्य से नीचे है। चूरू में सोमवार को दिन का अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस नीचे था। इसी तरह अजमेर, बीकानेर, जयपुर में भी कल दिन का तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज हुआ।

बाड़मेर में पारा 39 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

राजस्थान में गर्मी की स्थिति देखें तो अभी पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, जालोर, जैसलमेर, जोधपुर, फलोदी के एरिया में थोड़ी गर्मी है। अब भी दिन का तापमान सामान्य से नीचे है। कल सबसे ज्यादा गर्म दिन बाड़मेर में 39.4 डिग्री रहा। इसके बाद जालोर में तापमान 39 डिग्री रहा। धौलपुर में अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जैसलमेर में दिन का अधिकतम तापमान 38.9, फलोदी में 38.2 और गंगानगर में 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

संपादकीय

एन. रघुरामन का कॉलम स्वच्छंद समाज शायद ही 'जीवन में एडजस्ट' की सीख देता है

अमेरिका में मेरी पहली लोकल मेट्रो यात्रा न्यूजर्सी के हैरिसन स्टेशन से रही। ट्रेन में भीड़ नहीं थी। वहां एक मां अपनी दो बच्चियों के साथ बैठी थी, उनमें एक दस साल की और दूसरी छह साल की रही होगा। अगला स्टेशन जर्नल स्क्वायर था और उस महिला को वहां उतरना था क्योंकि इसी स्टेशन से आगे दूसरी जगह के लिए कनेक्टिंग ट्रेन मिलती हैं। साथ ही ये ऐसी जगह है, जहां मध्यमवर्गीय लोग रहते हैं। जैसे ही ट्रेन स्टेशन से निकली, वो महिला सीट से उठी, अपने दो बड़े सूटकेस के साथ एक बैकपैक और छोटी बच्ची का टेडी बियर एडजस्ट किया। मुझे दिख रहा था कि वह किसी बात से दुखी थी। मैंने खुद को दूर रखा और बगल में ही खड़ा रहा क्योंकि मुझे वहां उतरकर टाइम्स स्क्वायर के लिए ट्रेन बदलनी थी। यह वही जगह है जहां 2001 में 9/11 के आतंकी हमले हुए थे।

खड़े होते ही उसने बड़ी बेटी को उतरने के लिए तैयार होने का निर्देश दिया। बच्ची खड़ी हो गई और मां-बेटी की दो सीटें खाली हो गईं। लेकिन बच्ची ने एक सीट अपने सूटकेस से और दूसरी सामने खड़े रहकर ब्लॉक की थी। दो यूरोपियन बुजुर्ग महिलाओं ने बच्चों से विनम्रता से सीट के सामने से हटने के लिए कहा ताकि वे बैठ सकें।

इस बीच, उनका हैंडबैगेज हल्का-सा बच्ची को लग गया, जिसके बाद दोनों ने माफी मांगी। और यकीन मानें, वो बैग 500 ग्राम से भी हल्का था और इससे चोट नहीं लग सकती थी। पर मां ने आपा खो दिया और बुजुर्ग महिलाओं पर बिफर पड़ी।

चीजों पर गौर करने वाले मेरे जैसा व्यक्ति, जिसका दोनों पार्टियों से कोई संबंध नहीं था, मैं देख रहा था कि बच्ची को चोट नहीं पहुंची थी और दोनों बुजुर्ग महिलाओं ने कुछ भी जानबूझकर नहीं किया था। लेकिन उस दो मिनट के शब्दबाण ने उन बुजुर्ग महिलाओं को घायल कर दिया था। उनकी आंखों में आंसू थे क्योंकि उस उम्र में उन्हें सार्वजनिक रूप से वह सब सुनना पड़ रहा था। वे सॉरी कहती रहीं पर मां के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। उस पूरे दिन मेरे दिमाग में वही सब चलता रहा कि उस उम्र की ज्यादातर अमेरिकी मांएं ऐसा व्यवहार क्यों करती हैं। मुझे फिर बताया गया कि ये बहुत ज्यादा स्वच्छंद समाज है और इस व्यवहार के पीछे दो कारण हैं। एक है तलाक की उच्च दर, दूसरा आप बच्चों को कुछ नहीं कह सकते। सिंगल मदर्स को अहसास नहीं होता कि उन्हें माता-पिता दोनों की भूमिका निभानी होगी। ये दबाव उन्हें तनाव देता है और वे अनजाने में ऐसा सार्वजनिक व्यवहार करती हैं। वहीं एक उम्र के बाद आप अमेरिकी बच्चों को कुछ नहीं कह सकते, जैसे हमारे माता-पिता हमें कह देते हैं। उन्हें बुरा लग सकता है और वे 911 (अमेरिका में चाइल्ड इमरजेंसी नंबर) पर फोन करके माता-पिता की शिकायत कर सकते हैं। ऐसी एक शिकायत से मां से बच्चे की कस्टडी हमेशा के लिए छिन सकती है। ऐसे में अधिकांश माता-पिता बच्चों को कुछ कहने से बचते हैं और बाहरी लोगों पर चिल्लाते हैं। पर मेरा सवाल है कि ऐसे में वो दस साल की बच्ची मां के सार्वजनिक व्यवहार से क्या सीख रही है? बुजुर्गों की सीट के सामने से वो हट सकती थी, फिर भी उन पर चिल्लाने का अधिकार है? क्या वो बच्ची कभी ÷पहले आप' वाली संस्कृति सीख सकेगी, जिसमें बुजुर्गों या कमजोर लोगों को पहले जाने या पहले बैठने को कहते हैं? क्या वो कभी ये कहना सीख पाएगी कि 'पहले आप बैठ जाएं'? संक्षेप में कहूं तो वह कभी विनम्र नहीं बन पाएगी। फंडा यह है कि अमेरिका जैसे स्वच्छंद समाज में एडजस्ट करने की सीख नहीं दी जा रही, जिसे हममें से हरेक को आसपास के समाज में दिखाना चाहिए। याद रखें, हम अकेले नहीं है, हमें इस समाज में अलग-अलग तरह के लोगों के साथ रहना और एडजस्ट करना होगा।

सियाचिन पर पूर्ण प्रभुत्व के 40 साल शांति के वादे के लिए मुश्किल बढ़त को त्यागना हित में नहीं

असल में, पाकिस्तानी 1960 के दशक में चीन में रची गई एक योजना पर काम कर रहे थे, जिसमें न केवल अक्साई चिन के उत्तरी हिस्सों को जोड़ना था, बल्कि 10 करोड़ एकड़ जमीन में ताजे पानी के स्रोतों (जो सियाचिन के पास हैं) का दोहन करना था, जिसकी चीन और पाकिस्तान को बेहद जरूरत थी

चालीस वर्ष हो गए, जब दुनिया की सबसे ऊंची व ठंडी चोटी और संभवतः सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण सीमा रेखा पर पाकिस्तानी कब्जे को रोकने के लिए भारतीय सेना के पहले जत्थे को सियाचिन ग्लेशियर स्थित चौकी पर भेजा गया था। आखिर क्यों भारत और पाकिस्तान सियाचिन के पीछे पड़े थे? साफ है कि दोनों पक्षों के सीमा संबंधी दावे के अलावा भी बहुत कुछ था।

असल में, पाकिस्तानी 1960 के दशक में चीन में रची गई एक योजना पर काम कर रहे थे, जिसमें न केवल अक्साई चिन के उत्तरी हिस्सों को जोड़ना था, बल्कि 10 करोड़ एकड़ जमीन में ताजे पानी के स्रोतों (जो सियाचिन के पास हैं) का दोहन करना था, जिसकी चीन और पाकिस्तान को बेहद जरूरत थी। पाकिस्तान को अधिक बांधों और पनबिजली (बिजली) के लिए, जबकि चीन को माइक्रोचिप दिग्गज बनने के लिए। 30 सेमी वर्ग शीट सिलिकॉन वेफर्स बनाने के लिए 10,000 लीटर ताजा पानी को रेगिस्तानी रेत और रसायनों के साथ मिलाया जाता है। और उस क्षेत्र में बहुत सारे ग्लेशियर हैं, जिसे पाकिस्तान ने फरवरी-मार्च, 1963 में चीन को सौंप दिया था।

सियाचिन शक्सगाम घाटी और अक्साई चिन के बीच है। इसलिए यह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद फायदेमंद है। कई लोग पहले इसके रणनीतिक महत्व को नहीं समझते थे, बस इसे अपनी भूमि मानते थे। सियाचिन ग्लेशियर के आसपास बर्फीली ऊंचाइयों पर भारत की सैन्य उपस्थिति अप्रैल, 1984 में भारत के तत्कालीन उत्तरी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल छिब्बर की सिफारिशों पर सरकारी अनुमति से शुरू की गई थी। लेकिन %क्षेत्र का रणनीतिक महत्व तब भी उतना ज्यादा नहीं था%, न ही हमारा उद्देश्य किसी क्षेत्र पर कब्जा करना था। %यह केवल यह सुनिश्चित करने के लिए था कि हमारे साथ वैसा कुछ न हो, जैसा कि पचास के दशक की शुरुआत में अक्साई चिन में हुआ था%, क्योंकि 1962 के चीनी आक्रमण के बाद से नई दिल्ली अपनी सीमाओं के पास मानचित्र संबंधी अस्पष्टताओं के प्रति काफी संवेदनशील रही है। वास्तव में सियाचिन पर विवाद मानचित्र संबंधी विवाद से उत्पन्न हुआ है। आज जिसे नियंत्रण रेखा कहा जाता है, वह 1949 में संघर्ष विराम रेखा थी। वास्तविक सीमा रेखा जम्मू के उत्तर से शुरू होकर एनजे 9842 नामक पर्वत की ऊंचाई पर अचानक समाप्त होती है। इसके अलावा, भारत-पाकिस्तान के बीच 1949 की कराची संधि और 1972 की सुचेतगढ़ संधि के अनुसार, ग्लेशियर नो मैन्स लैंड है। लेकिन 1970 के दशक से कई मानचित्रों में सियाचिन ग्लेशियर को पाकिस्तान के हिस्से के रूप में दिखाया जाने लगा था। इन सभी में संघर्ष विराम रेखा (अब एलओसी) स्पष्ट रूप से एनजे 9842 से उत्तर-पूर्व दिशा में काराकोरम दर्रे और चीनी सीमा तक फैली हुई दिखाई देती है। ऐसा तब तक पाकिस्तानी मानचित्रों में भी नहीं था!

जाहिर है, यह भ्रम कुछ मानचित्रों से पैदा हुआ है, जो शुरू में अमेरिकी रक्षा मानचित्रण एजेंसी द्वारा तैयार किए गए थे, जिसमें 1970-80 के दशक में एनजे 9842 पूर्वोत्तर के आसपास से काराकोरम दर्रे तक चलने वाली एलओसी को दर्शाया गया था। लगता है कि अमेरिका के मानचित्र निर्माताओं द्वारा यह गलती वायु रक्षा सूचना क्षेत्र के चिह्नों को एक सीमा रेखा के रूप में अनुवाद करने के कारण हुई, जो नागरिक/सैन्य विमानन में हवाई यातायात नियंत्रकों के लिए क्षेत्रीय सीमाएं प्रदान करता है।

इससे यह भ्रम हुआ कि नियंत्रण रेखा का विस्तार एनजे 9842 से काराकोरम दर्रे तक हो गया और इस तरह यह पाकिस्तानियों की दिलचस्पी का विषय बन गया। हालांकि, ऐसे कई वायु रक्षा सूचना क्षेत्र हो सकते हैं, जो एक देश से होकर गुजर सकते हैं, पर ये राष्ट्रीय सीमा रेखाएं नहीं हैं। लेकिन दुनिया के कई प्रमुख एटलस द्वारा ऐसे मानचित्रों के प्रकाशन ने पाकिस्तानी सेना को एनजे 9842 से परे नियंत्रण रेखा पर विवाद के लिए प्रोत्साहित किया, और यहीं पर सियाचिन क्षेत्र स्थित है।

शुरू में जनरल जिया-उल-हक के शासन में महत्वाकांक्षी सैन्य कमांडरों द्वारा उकसाए जाने पर पाकिस्तान ने सियाचिन ग्लेशियर के आसपास की हिमनद ऊंचाइयों पर कब्जा करने की योजना बनाई। लेकिन साल्टोरो रिज पाकिस्तान के दुस्साहस के खिलाफ हमारी रक्षा दीवार है। प्रारंभिक चरण में सियाचिन ग्लेशियर की पश्चिमी दीवार पर कब्जे की कोशिश में सैकड़ों लोग हताहत हुए। हालांकि भारतीय सेना ने वायुसेना की मदद से अपना कब्जा बरकरार रखा। वर्ष 1984 से 1987 तक हमारी सेना ने इसके लिए लड़ाई लड़ी और ऊंचाई पर नियंत्रण करके सियाचिन ग्लेशियर पर अपना पूर्ण प्रभुत्व जमाया। इसने पाकिस्तान को हैरान कर दिया और उसने भारतीय सेनाओं को वहां से हटाने की कई कोशिशें कीं, लेकिन वे विफल रहे। अब वे 1983 से पहले की स्थिति में लौटने की बात कर रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तानी सेना को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदगी झेलनी पड़ रही है। और अब चूंकि पाकिस्तानी सेना साल्टोरो रिज पर भारतीय सैनिकों के कब्जे को वापस हटा नहीं सकती, इसलिए उसके सैनिकों को निचली घाटी में डेरा डालना होगा। हालांकि उसके सैन्य अधिकारियों ने 40 वर्षों से सियाचिन ऑपरेशन को लेकर अपने झूठ को फैलाया है। पाकिस्तानी मीडिया के एक वर्ग ने कहा कि भारत ग्लेशियर पर अपने सैनिकों को रखने का खर्च वहन नहीं कर सकता, जबकि भारत आसानी से खर्च वहन कर रहा है।

सियाचिन में सैनिकों को रखने के लिए प्रति वर्ष लगभग 2,000 करोड़ रुपये की लागत भी भारत के रक्षा बजट का एक छोटा-सा हिस्सा है। मुख्य रूप से भारत-पाक वार्ता के लिए भारत की शर्त है कि पाकिस्तान को भारतीय सैनिकों द्वारा ग्लेशियर के किनारे हासिल की गई बढ़त को स्वीकार करना चाहिए और किसी भी सेना की वापसी से पहले 110 किलोमीटर लंबी एक्चुअल ग्राउंड पोजिशन लाइन (एजीपीएल) को स्वीकार करना चाहिए। कारगिल अनुभव के बाद भारतीय सेना अब पाकिस्तान से मजबूत गारंटी चाहती है, जिसमें भारतीय सेना की स्थिति का सत्यापन, ग्लेशियर के साथ भारत के सैन्य बढ़त की पुष्टि करने वाले मानचित्रों पर हस्ताक्षर शामिल हैं। लेकिन पाकिस्तानी ऐसा करने को तैयार नहीं हैं। यदि भारत शांति के वादे के लिए अपने वीर सैनिकों द्वारा हासिल इस मुश्किल बढ़त को त्याग देता है, तो यह 1972 के विनाशकारी शिमला समझौते के समान होगा।

सेहत में बड़ा सहारा, पैंसठ वर्ष से अधिक आयु के लोगों को भी स्वास्थ्य बीमा

गंभीर और ऐसी बीमारियों, जिनके इलाज में भारी रकम खर्च करनी पड़ती है, स्वास्थ्य बीमा लोगों के लिए बहुत बड़ा सहारा साबित होता है। स्वास्थ्य बीमा शुरू करने का मकसद भी यही था कि लोगों को स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च की चिंता से मुक्त रखा जा सके। मगर इसमें एक बड़ी अड़चन थी कि पैंसठ वर्ष से अधिक उम्र के लोग स्वास्थ्य बीमा नहीं खरीद सकते थे। आमतौर पर ज्यादातर लोगों को इसी उम्र के बाद स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां घेरती हैं।

अब किसी भी उम्र में स्वास्थ्य बीमा खरीदा जा सकता है

मगर स्वास्थ्य बीमा न खरीद पाने के चलते वे निराश हो जाते थे। फिर, कैंसर, हृदय रोग या एड्स जैसी कुछ गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को इसकी सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इसके अलावा, स्वास्थ्य बीमा खरीदने के बाद अड़तालीस महीने तक उसका लाभ नहीं उठाया जा सकता था। अब भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण ने इन अड़चनों को दूर करते हुए नियम जारी किया है कि पैंसठ वर्ष से अधिक आयु के लोग भी स्वास्थ्य बीमा खरीद सकेंगे। यानी अब किसी भी उम्र में स्वास्थ्य बीमा खरीदा जा सकता है। बीमा कंपनियां अब कैंसर, एड्स और हृदय रोग जैसी बीमारियों की वजह से किसी को बीमा देने से इनकार नहीं कर सकतीं। बीमा खरीदने के छत्तीस महीने बाद उसका लाभ उठाया जा सकेगा।

पहले स्वास्थ्य बीमा के मामले में कई तरह की अड़चनें थीं

बीमा क्षेत्र को विस्तार देने और प्रतिस्पर्धी बनाने के मकसद से इस क्षेत्र में निजी बैंकों और विदेशी कंपनियों के लिए सौ फीसद निवेश का रास्ता खोला गया था। फिर बीमा कंपनी बदलने की भी छूट दे दी गई थी। निस्संदेह इससे बीमा कंपनियों में प्रतिस्पर्धा बढ़ी और लोगों को इसका लाभ मिलना भी शुरू हो गया। मगर स्वास्थ्य बीमा के मामले में कई तरह की अड़चनें बनी हुई थीं। उम्र और कुछ गंभीर बीमारियां इस रास्ते में बड़ी बाधा थीं। अब उनके हट जाने से निस्संदेह बहुत सारे लोगों के लिए आसानी हो जाएगी। अब जिस तरह जलवायु परिवर्तन और बदलती स्थितियों के चलते अनेक प्रकार की नई-नई बीमारियां पैदा हो रही हैं और बहुत सारे लोगों के लिए इलाज कराना मुश्किल होता जा रहा है, उसमें बीमा कंपनियों का वृद्धावस्था की ओर बढ़ती आबादी को इस सुविधा से वंचित रखना उचित नहीं था। दुनिया के अनेक देशों में वृद्धों की सेहत पर विशेष ध्यान दिया जाता है, मगर जिस तरह हमारे देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ और उनमें सुविधाओं का अभाव बढ़ता गया है, उसमें बुजुर्ग आबादी की सेहत का ध्यान रखना चुनौती बनता गया है।

देश में आज भी बड़ी संख्या में महिलाएं स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित, समस्या जस की तस

ऐसे में स्वास्थ्य बीमा की शर्तों को लचीला बनाने से कुछ बेहतर नतीजे मिल सकते हैं। मगर अब भी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं को पुख्ता, पारदर्शी और प्रभावशाली बनाने की जरूरत रेखांकित की जाती रहती है। केंद्र सरकार ने आयुष्मान योजना के तहत करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य बीमा की सुविधा उपलब्ध करा रखी है। कुछ लोग कंपनियों आदि की सामूहिक बीमा के अंतर्गत आते हैं। कुछ लोगों ने निजी स्तर पर स्वास्थ्य बीमा ले रखा है। मगर चूंकि स्वास्थ्य बीमा की सुविधा का लाभ निजी अस्पतालों में ही लिया जाता है, वहां इनके दावे आदि को लेकर कई तरह की अनियमितताओं की शिकायतें मिलती रहती हैं। कोरोना काल के बाद स्वास्थ्य बीमा की वार्षिक किस्तें पचास फीसद से अधिक बढ़ चुकी हैं। इसलिए स्वास्थ्य बीमा नियमों को लचीला बनाने के साथ-साथ इन्हें व्यावहारिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में भी भरोसेमंद कदम उठाने की जरूरत है।

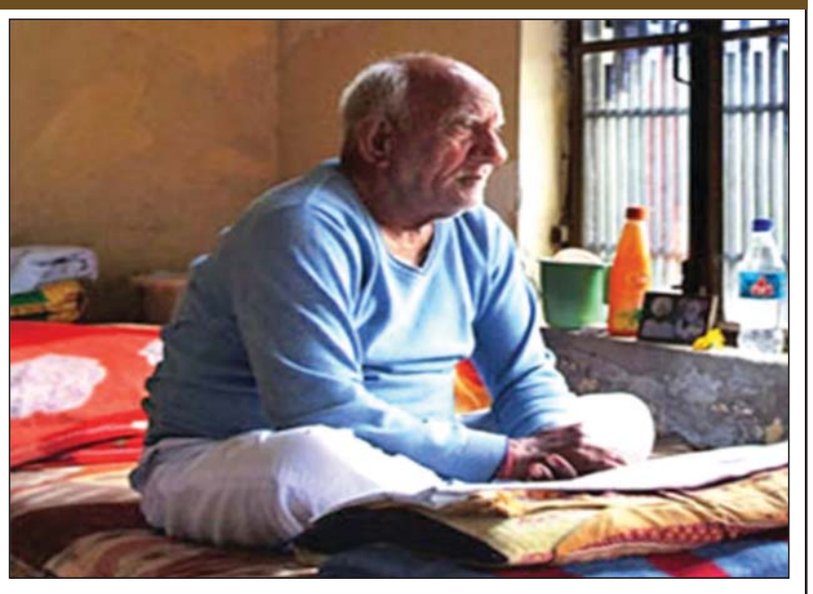

मालदीव में नया ध्रुव, चीन के समर्थन और भारत के विरोध की नीति

दरअसल, संसदीय चुनाव को मुइज्जू की सबसे बड़ी राजनीतिक परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा था। हालांकि मुइज्जू और उनकी पार्टी की राजनीति को देखते हुए पिछले कुछ महीनों के दौरान मालदीव पर चीन के हावी होने को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक नहीं माना जा रहा था और वहां के संसदीय चुनाव पर उसका असर पड़ने की उम्मीद की जा रही थी।

मालदीव में पिछले वर्ष मोहम्मद मुइज्जू ने राष्ट्रपति चुनाव जीता, तभी साफ हो गया था कि वहां की सत्ता अब नए रास्ते पर बढ़ चली है। अब वहां हुए संसदीय चुनाव में भी मुइज्जू की पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस ने दो तिहाई से ज्यादा सीटों पर बड़ी जीत दर्ज कर ली है। इससे स्पष्ट है कि मालदीव का रुख पहले के मुकाबले बिल्कुल अलग होगा और प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उस पर चीन का असर दिखेगा।

मुइज्जू की सबसे बड़ी राजनीतिक परीक्षा थी यह चुनाव

दरअसल, संसदीय चुनाव को मुइज्जू की सबसे बड़ी राजनीतिक परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा था। हालांकि मुइज्जू और उनकी पार्टी की राजनीति को देखते हुए पिछले कुछ महीनों के दौरान मालदीव पर चीन के हावी होने को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक नहीं माना जा रहा था और वहां के संसदीय चुनाव पर उसका असर पड़ने की उम्मीद की जा रही थी। मगर ऐसा नहीं हुआ। अब मालदीव में मुइज्जू की पार्टी की भारी जीत को चीन के समर्थन और भारत के विरोध पर आधारित उनकी नीतियों पर मुहर के तौर पर देखा जाएगा। गौरतलब है कि राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद मुइज्जू ने भारत के प्रति अपने पूर्वाग्रहों को छिपाया नहीं और 'भारत को बाहर करो' की नीति पर चलते हुए भारतीय सैनिकों को वापस भेजना शुरू कर दिया था। दूसरी ओर, पर्यटन से जुड़ी अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भारत पर अपनी निर्भरता को कम करने के साथ-साथ मालदीव ने तुर्किए और अन्य कई देशों के साथ समझौते किए। खासकर चीन के प्रति मुइज्जू का झुकाव सभी जानते हैं। उनके राष्ट्रपति बनने के बाद मालदीव की कई बड़ी परियोजनाओं का काम चीन की कंपनियों को मिल चुका है। मालदीव और चीन के बीच सैन्य समझौता भी हुआ था। सच यह है कि चीन प्रकारांतर से मालदीव पर अपना नियंत्रण कायम करना चाहता है और इसी वजह से उसे कुछ विशेष महत्त्व देता है। अब वहां की संसद में अपनी पार्टी का बहुमत होने से देश में चीन के निवेश या अन्य सहयोग संबंधी फैसलों को लागू करने में मुइज्जू को कोई बाधा नहीं होगी। मगर मालदीव पर चीन का बढ़ता प्रभाव भारत के लिए चिंता की बात है।

बड़ी नदियों के लिए जरूरी हैं छोटी नदियां

जहां से पानी बहकर नदियों में आता है। इसमें हिमखंड, सहायक नदियां, नाले आदि शामिल होते हैं। तीन नदियां-गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र हिमालय के हिमखंडों के पिघलने से निकलती हैं। इन सदानीरा नदियों को 'हिमालयी नदी' कहा जाता है।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ओर से जारी आंकड़ों के विश्लेषण के बाद यह बात सामने आ रही है कि हमारी नदियां तेजी से सूख रही हैं। नदियों में जल भरने लायक बरसात होने में अभी कम से कम सौ दिन हैं। चिंता की बात यह है कि बर्फ से ढंके हिमालय से निकलने वाली नदियों-गंगा-यमुना के जल-विस्तार क्षेत्र में सूखा अधिक गहराता जा रहा है। सरकार भी चिंतित है कि गंगा बेसिन के 11 राज्यों के लगभग 2,86,000 गांवों में पानी की उपलब्धता धीरे-धीरे घट रही है। नदियों में घटता बहाव कोई अचानक नहीं आया है। यह साल-दर-साल घट रहा है। लेकिन नदी धार के कम होने का सारा दोष प्रकृति या जलवायु परिवर्तन पर डालना सही नहीं होगा। हमारे देश में 13 बड़े, 45 मध्यम और 55 लघु जलग्रहण क्षेत्र हैं। जलग्रहण क्षेत्र उस संपूर्ण इलाके को कहा जाता है, जहां से पानी बहकर नदियों में आता है। इसमें हिमखंड, सहायक नदियां, नाले आदि शामिल होते हैं। तीन नदियां-गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र हिमालय के हिमखंडों के पिघलने से निकलती हैं। इन सदानीरा नदियों को 'हिमालयी नदी' कहा जाता है। शेष पठारी नदी कहते हैं, जो मूलतः बरसात पर निर्भर होती हैं। आंकड़ों के आधार पर हम पानी के मामले में पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा समृद्ध हैं, लेकिन पूरे पानी का कोई 85 फीसदी बारिश के तीन महीनों में समुद्र में चला जाता है और नदियां सूखी रह जाती हैं। जब छोटी नदियां थीं, तो इस पानी के बड़े हिस्से को अपने आंचल में संभाल कर रख लेती थीं। नदियों के सामने खड़े हो रहे इस संकट ने मानवता के लिए भी चेतावनी का बिगुल बजा दिया है। जाहिर है कि बगैर जल के जीवन की कल्पना संभव नहीं है। हमारी नदियों के सामने मूलतः तीन तरह के संकट हैं-पानी की कमी, मिट्टी का आधिक्य और प्रदूषण। धरती के तापमान में हो रही बढ़ोतरी के चलते मौसम में बदलाव हो रहा है, जिसके चलते या तो बारिश अनियमित हो रही है या फिर बेहद कम। ये सभी परिस्थितियां नदियों के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर रही हैं। सिंचाई व अन्य कार्यों के लिए नदियों के अधिक दोहन, बांध आदि के कारण नदियों के प्राकृतिक स्वरूपों के साथ छेड़छाड़ के चलते भी उनमें पानी कम हो रहा है।

यदि उत्तराखंड के गढ़वाल और कुमाऊं मंडलों की गैर हिमानी नदियों की दुर्गति पर गौर करें, तो समझ आ जाएगा कि आखिर गंगा बेसिन में जल संकट क्यों है? अल्मोड़ा के जागेश्वर में गंगा का प्रवाह कभी 500 लीटर प्रति सेकंड था, जो आज महज 18 लीटर रह गया है। गैर हिमानी नदियां प्रायः झरनों या भूमिगत जल स्रोतों से उपजती हैं और साल भर इनमें पानी रहता है। जो विशाल गंगा मैदानी इलाकों में आती है, उसमें 80 फीसदी जल गैर-हिमानी नदियों से आता है और मात्र 20 फीसदी जल हिमनद से मिलता है। अनुमान है कि आज भी देश में कोई 12 हजार ऐसी छोटी नदियां हैं, जो उपेक्षित हैं और उनके अस्तित्व पर खतरा है। 19वीं सदी तक बिहार (झारखंड सहित) में कोई छह हजार नदियां हिमालय से उतर कर आती थीं, आज इनमें से महज 400 से 600 का ही अस्तित्व बचा है। मधुबनी, सुपौल में बहने वाली तिलयुगा नदी कभी कोसी से भी विशाल हुआ करती थी, आज उसकी जलधारा सिमट कर कोसी की सहायक नदी के रूप में रह गई है। सीतामढ़ी की लखनदेई नदी को तो सरकारी इमारतें ही चाट गईं। नदियों के इस तरह रूठने और उससे बाढ़ व सूखा के दर्द की कहानी देश के हर जिले और कस्बे की है। इन दिनों बिहार के 23 जिलों में बहने वाली 24 नदियां सूख कर सपाट मैदान हो गई। इनमें से उत्तर बिहार की 16 और दक्षिण बिहार की आठ नदियां हैं। इन सभी नदियों की कुल लंबाई 2,986 किलोमीटर है। इसमें लगभग 670 किलोमीटर क्षेत्र में गाद भर गया है।

जोकोविच लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर 2024, 5वीं बार जीता अवॉर्ड

पहली बार फीफा विमेंस वर्ल्ड कप जीतने वाली स्पेन को टीम अवॉर्ड

नई दिल्ली ● एजेंसी

वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर 2024 का अवॉर्ड दिया गया है। जोकोविच का यह पांचवां लॉरियस अवॉर्ड है। 25वीं लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड सेरेमनी 22 अप्रैल को स्पेन के मैड्रिड में हुई। यह अवॉर्ड पिछले साल के अचीवमेंट के लिए दिया जाता है।

उन्होंने इस मामले में पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर की बराबरी कर ली है। ये दोनों खिलाड़ी लॉरियस अवॉर्ड के इतिहास में सबसे ज्यादा बार सम्मानित किए गए हैं।

जोकोविच के नाम सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम

जोकोविच ने पिछले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन में टाइटल जीता था। जोकोविच 24 ग्रैंड स्लैम के साथ मेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा टाइटल जीतने वाले खिलाड़ी हैं।

बोनमाती को लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स वीमेन ऑफ द ईयर 2024

वहीं स्पेन की ही मिडफील्डर एताना बोनमाती को लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स वीमेन ऑफ द ईयर 2024 का पुरस्कार मिला। बोनमाती को पिछले साल FIFA विमेंस वर्ल्ड कप में गोल्डन बॉल ट्रॉफी मिली थी। गोल्डन बॉल टूर्नामेंट की बेस्ट प्लेयर को दिया जाता है।

पिछले साल पहली बार विमेंस फुटबॉल वर्ल्ड कप जीतने वाली स्पेन की टीम को लॉरियस टीम अवॉर्ड से नवाजा गया। फाइनल में स्पेन ने इंग्लैंड को 1-0 से हराया था।

क्या है लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स?

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स सेरेमनी हर साल होती है। इसमें खिलाड़ियों और टीमों को साल भर के स्पोर्ट्स अचीवमेंट्स के साथ सम्मानित किया जाता है। इसकी स्थापना 1999 में लॉरियस स्पोर्ट फॉर गुड फाउंडेशन के फाउंडर डेमलर और रिचमोंट ने की गई थी।

मनिका को पछाड़कर भारत की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी श्रीजा

नयी दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों की मिश्रित युगल चैंपियन श्रीजा अकुला मंगलवार को नवीनतम आईटीटीएफ रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 38वें स्थान पर पहुंची और मनिका बत्रा को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गईं। नवीनतम रैंकिंग में श्रीजा को एक स्थान का फायदा हुआ जबकि पिछले कुछ समय से भारत की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका दो स्थान के नुकसान से 39वें पायदान पर खिसक गईं। इस साल 25 साल की श्रीजा ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उन्होंने डब्ल्यूटीटी फीडर कॉरपस क्रिस्टी और डब्ल्यूटीटी फीडर बेरूत टूर्नामेंट में क्रमश- जनवरी और मार्च में खिताब जीते। वह गोवा में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंची। श्रीजा ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में अनुभवी अचंता शरत कमल के साथ मिलकर मिश्रित युगल का स्वर्ण पदक जीता था। यशस्विनी घोरपड़े और अर्चना कामत क्रमश- 99वें और 100वें स्थान पर बरकरार हैं। शरत रैंकिंग में 37वें स्थान के साथ शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। जी साथियान और मानव ठाकर ने क्रमश- 60वें और 61वें स्थान पर एक दूसरे की जगह ली है।

कुछ महीने पहले शीर्ष रैंकिंग के भारतीय खिलाड़ी राष्ट्रीय चैंपियन हरमीत देसाई नवीनतम सूची में और नीचे 64वें स्थान पर खिसक गए हैं। भारत पहले ही पेरिस ओलंपिक की टीम स्पर्धाओं के लिए क्वालीफाई कर चुका है। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ 16 मई तक उस समय की विश्व रैंकिंग के आधार पर पुरुष और महिला एकल में दो एकल खिलाड़ियों की प्रविष्टियों पर फैसला करेगा।

लीग चरण में बेहतर रैंकिंग वाली टीम के घरेलू मैदान पर होगा आईएसएल फाइनल

मुंबई ● एजेंसी

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) ने मंगलवार को कहा कि चार मई को होने वाला 2023-24 सत्र का फाइनल खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली दोनों टीम में से उस टीम के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा जो लीग चरण में बेहतर रैंकिंग वाली टीम थी। मोहन बागान ने 15 अप्रैल को मुंबई सिटी एफसी को रोमांचक मुकाबले में हराकर लीग शील्ड जीती जबकि एफसी गोवा की टीम तीसरे स्थान पर रही। अब कोलकाता, मुंबई और गोवा आईएसएल फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल की मेजबानी की दौड़ में हैं।

स्थान की पुष्टि होने के बाद मैच के टिकटों की बिक्री शुरू की जाएगी। ओडिशा एफसी और एफसी गोवा ने क्रमशः केरला ब्लास्टर्स एफसी और चेन्नईयिन एफसी के खिलाफ अपने नॉकआउट मैच जीते और आईएसएल 2023-24 सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल मुकाबलों की शुरुआत 23 अप्रैल को भुवनेश्वर में मोहन बागान सुपर जाइंट और ओडिशा एफसी के बीच मैच के साथ होगी। अगले दिन 24 अप्रैल को मुंबई सिटी एफसी की टीम गोवा में एफसी गोवा के खिलाफ अपने सेमीफाइनल मैच का पहला चरण खेलेगी।

लवलीना बोरगोहेन ने शेयर किया ओलंपिक का अनुभव, कहा- विश्व चैंम्पियन बनना शानदार था

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत की शीर्ष मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन अपने नैसर्गिक भार वर्ग में बदलाव और 75 किग्रा वर्ग में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने को लेकर आश्वस्त हैं। असम की इस खिलाड़ी ने तोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के बाद चुनौतीपूर्ण समय का सामना किया क्योंकि वह विश्व चैम्पियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों से जल्दी बाहर हो गयी थी।

लवलीना पहले 69 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करती थी लेकिन ओलंपिक से इस भार वर्ग को हटाने के बाद उन्होंने 75 किग्रा वर्ग में खेलना शुरू किया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस भारतीय मुक्केबाज ने 2022 एशियाई चैंपियनशिप और 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ-साथ पिछले साल एशियाई खेलों में रजत पदक जीता है। लवलीना ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, '' वजन में बदलाव के बाद कुल मिलाकर मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा है। ओलंपिक वर्ग में विश्व चैम्पियनशिप जीतना बहुत बड़ी बात थी। मुझे पहले (69 किग्रा के लिए) वजन नियंत्रित करना पड़ता था लेकिन अब मैंने इस वजन से सामंजस्य बिठा लिया है। मैंने प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और अच्छा प्रदर्शन किया है।''

लवलीना का वजन आमतौर पर 70 से 75 किग्रा के बीच रहता है ऐसे में उन्हें टूर्नामेंटों से पहले वजन घटाने के लिए अतिरिक्त मेहनत नहीं करनी पड़ती। उन्होंने कहा, ''हां, प्रतिद्वंद्वी (75 किग्रा में) मजबूत हैं लेकिन मैं इस वर्ग में फिट बैठती हूं। मैं 69 किग्रा की तुलना में इस श्रेणी में अधिक सहज हूं क्योंकि मुझे खाने पर ज्यादा नियंत्रण नहीं करना पड़ता है। ऐसे में मेरी ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहता है। मैं मजबूत महसूस करती हूं और मैं बेहतर प्रशिक्षण लेने में सक्षम हूं। मैं ताकत और कंडीशनिंग के साथ अपनी मांसपेशियों को मजबूत करने पर ध्यान देती हूं।''

लंदन ओलंपिक खेलों (2012) में महिला मुक्केबाजी को शामिल किए जाने के बाद से 75 किग्रा वर्ग लगातार ओलंपिक खेलों का हिस्सा है। 26 साल की इस खिलाड़ी के लिए पेरिस के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण होगी क्योंकि उनका सामना ऐसे मुक्केबाजों से होगा जो पहले से ही इस वर्ग में खेलती रही है। लवलीना ने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं कि 75 किग्रा वर्ग चुनौतीपूर्ण है क्योंकि यह हमेशा से एक ओलंपिक वर्ग रहा है। 69 किग्रा नया था लेकिन 75 किग्रा वर्षों से है। ऐसे में इसमें पहले से अनुभवी मुक्केबाज प्रतिस्पर्धा करते हैं।'' उन्होंने कहा, '' यह एक चुनौती है। लेकिन मैं आश्वस्त हूं क्योंकि मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा है और मैं 75 किग्रा में सहज महसूस करती हूं।

सौरव घोषाल ने पेशेवर स्क्वाश से संन्यास लिया, लेकिन भारत के लिए खेलना जारी रखेंगे

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत के सबसे बेहतरीन पुरूष स्क्वाश खिलाड़ियों में शामिल सौरव घोषाल ने सोमवार को पेशेवर सर्किट से संन्यास लेने की घोषणा की लेकिन वह अगले कुछ समय तक बहु-खेल स्पर्धाओं वाले आयोजन में भारत का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगे। पेशेवर सर्किट में 22 साल खेलने वाले घोषाल ने इंचियोन और हांग्झोउ एशियाई खेलों की टीम स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीतने के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों में तीन पदक जीते हैं।

उन्होंने ग्लासगो में 2022 विश्व युगल चैंपियनशिप में मिश्रित युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। घोषाल ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, ''मैंने 22 साल पहले 'पीएसए विश्व टूर' पर अपनी यात्रा शुरू की थी। उस समय मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं इतने लंबे समय तक पेशेवर स्क्वाश खेलूंगा। जब मैंने दुनिया भर में यात्रा की और कुछ बड़े मंचों खेलते हुए मैंने सोचा कि यह कभी ख़त्म नहीं होगा।''

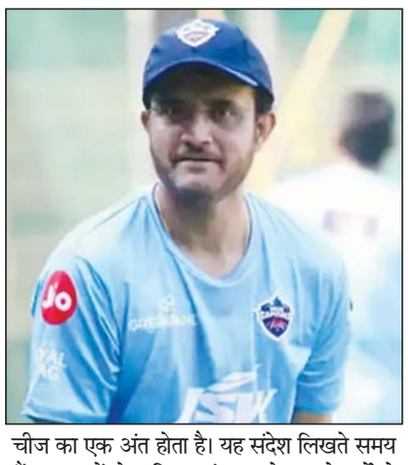

इस 37 साल के खिलाड़ी ने कहा, ''लेकिन हर चीज का एक अंत होता है। यह संदेश लिखते समय मैं भावनाओं से अभिभूत हूं। यह खेल इतने वर्षों से मेरा जुनून, मेरी आजीविका और मेरी पहचान रहा है। इसलिए गर्व और दुख की मिश्रित भावनाओं के साथ मैं पीएसए से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं।''

कोलकाता में जन्में घोषाल दुनिया के शीर्ष 10 में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने अप्रैल 2019 में करियर की उच्चतम रैंकिंग हासिल की और छह महीने तक उसे बनाये रखने में सफल रहे। घोषाल ने 2003 में पीएसए में पदार्पण करने के बाद से 18 फाइनल में पहुंचकर 10 पीएसए खिताब जीते हैं।

उन्होंने पीएसए टूर पर अपने 511 मैचों में से 281 जीते हैं। घोषाल के नाम 13 राष्ट्रीय खिताब जीतने का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने इसमें से आखिरी खिताब 2020 में जीता था। घोषाल का खेल हालांकि अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है और वह भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, '' मुझे उम्मीद है कि मैं प्रतिस्पर्धी स्क्वाश को पूरी तरह से अलविदा नहीं कह रहा हूं। मैं कुछ और समय तक भारत के लिए खेलना चाहूंगा। उम्मीद है कि मेरे अंदर संघर्ष करने की कुछ क्षमता बाकी है और मैं अपने देश के लिए कुछ और हासिल कर सकता हूं। तब तक, धन्यवाद।

फ्लाइट सीट सिलेक्शन को लेकर DGCA ने बदले नियम

एयरलाइंस को 12 साल से कम उम्र के बच्चों को माता-पिता के साथ सीट देना होगा

नई दिल्ली ● एजेंसी

एयरलाइंस को अब 12 साल से कम उम्र के बच्चों को फ्लाइट में माता-पिता या अभिभावक के साथ सीट अलॉकेट करना होगा। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिवल एविएशन (DGCA) ने इसे लेकर नई ट्रैवल गाइडलाइन्स जारी की है। डीजीसीए ने कहा है कि अगर एक ही PNR पर बच्चे और माता-पिता ट्रैवल कर रहे हैं तो उन्हें सीट सिलेक्शन के लिए कोई ऐक्स्ट्रा चार्ज नहीं देना होगा। इसके साथ ही डीजीसीए ने एयरलाइंस से इसका रिकॉर्ड भी मेंटेन करने के कहा है। सिविल एविएशन रेगुलेटर ने यह कदम 12 साल से कम उम्र के बच्चों को उनके माता-पिता या अभिभावकों के साथ नहीं बैठाने के कई मामलों के बाद उठाया है। पिछले कुछ हफ्तों में कई यात्रियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऐसा अनुभव शेयर किया है।

2021 के एयर ट्रांसपोर्ट सर्कुलर 01 में बदलाव किया

DGCA ने नए नियमों के लिए 2021 के एयर ट्रांसपोर्ट सर्कुलर 01 को संशोधित किया है। इसके साथ 2024 के एयर ट्रांसपोर्ट सर्कुलर (एटीसी)-01 को भी संशोधित किया है। इसका टाइटल है, अनबंडल ऑफ सर्विसेज एंड फीस बाय शेड्यूल्ड एयरलाइंस। 2024 का एयर ट्रांसपोर्ट सर्कुलर, एयरलाइन्स को जीरो बैगेज, प्रिफरेंशियल सीटिंग, मील/ स्नैक/ड्रिंक चार्जेस, म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स की ढुलाई जैसी सर्विसेज के लिए ऐक्स्ट्रा चार्ज लेने की अनुमति देता है। यात्री इन सर्विसेज को ऑप्ट-इन बेसिस पर ले सकते हैं।

फ्लाइट में चार्ज देकर प्री-सीट सिलेक्शन का ऑप्शन

भारत में एयरलाइंस, चार्ज देकर प्री-सीट सिलेक्शन का ऑप्शन देती है। जो लोग पेमेंट नहीं करना चाहते हैं उन्हें वे सीटें आवंटित की जाती हैं जो पहले से बुक नहीं की गई हो। ऐसे में, एक साथ यात्रा करने वाले उन समूहों या परिवारों को अधिकतर फ्लाइट में अलग-अलग बैठाया जाता है, जिन्होंने ऐक्स्ट्रा पेमेंट करके पहले से अपनी सीटें बुक नहीं की हो।

मसाला बैन पर भारत ने सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग से डिटेल्स मांगी

दोनों देशों ने एवरेस्ट और MDH के 4 मसालों पर लगाया था बैन, इनसे कैंसर का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। MDH और एवरेस्ट मसालों के बैन के मामले में भारत ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग के फुड रेगुलेटर्स यानी खाद्य नियामक से डीटेल्स मांगी हैं। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने सिंगापुर और हांगकांग दोनों में भारतीय दूतावासों को इस मामले पर एक डीटेल्ड रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया। मिनिस्ट्री ने MDH और एवरेस्ट से भी डीटेल्स मांगी हैं। कॉमर्स मिनिस्ट्री के ऑफिशियल ने कहा, दोनों कंपनियों के प्रोडक्ट्स के रिजेक्शन के कारणों का पता लगाया जाएगा और इनसे जुड़े एक्सपोर्टर्स की चिंताओं के साथ-साथ इन्हें ठीक करने के लिए क्या करना चाहिए, इस पर भी विचार किया जाएगा। ऑफिशियल ने कहा, टेक्निकल डिटेल्स, एनालिटिकल रिपोर्ट और जिन एक्सपोर्टर्स के कन्साइनमेंट रिजेक्ट कर दिए गए हैं, उनकी डीटेल्स सिंगापुर और हांगकांग स्थित दूतावासों से मांगी गई है। सिंगापुर फूड एजेंसी एंड सेंटर फॉर फूड सेफ्टी और हांगकांग के फूड एंड एनवायरमेंटल हाइजीन डिपार्टमेंट से भी डीटेल्स मांगी गई है। दरअसल, सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने MDH और एवरेस्ट दोनों कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट्स में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की लिमिट से ज्यादा मात्रा होने के कारण उन्हें बैन किया था। इन प्रोडक्ट्स में इस पेस्टिसाइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है।

संकट से निपटने को बनायी गयी पूंजी बफर व्यवस्था लागू करने की जरूरत नहीं: आरबीआई

मुंबई ● एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को कहा कि उसने मुश्किल हालात से निपटने के लिए लायी गयी पूंजी बफर व्यवस्था (सीसीवाईबी) को सक्रिय नहीं करने का फैसला किया है, क्योंकि मौजूदा हालात में इसकी जरूरत नहीं है। आरबीआई ने फरवरी, 2015 में कठिन समय से पार पाने के लिए पूंजी बफर व्यवस्था से संबंधित रूपरेखा लागू की थी। इसमें यह सलाह दी गई थी कि सीसीवाईबी को परिस्थितियों के हिसाब से जरूरत महसूस होने पर लागू किया जाएगा और इस बारे में सामान्य तौर पर पहले घोषणा की जाएगी।

केंद्रीय बैंक की रूपरेखा के मुताबिक, सीसीवाईबी को लागू करने के मुख्य संकेतक के रूप में ऋण-सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अंतर यानी कर्ज जीडीपी अनुपात और इसके दीर्घकालीन रुख के बीच अंतरपर गौर किया जाएगा। इसके साथ अन्य संकेतकों का तालमेल बिठाने के बाद ही कोई फैसला किया जाएगा। आरबीआई ने अपने बयान में कहा, सीसीवाईबी संकेतकों की समीक्षा और अनुभवजन्य विश्लेषण के आधार पर, यह निर्णय लिया गया है कि इस समय सीसीवाईबी को सक्रिय करना आवश्यक नहीं है। आरबीआई ने इस व्यवस्था को वर्ष 2015 में अपनाए जाने के बाद से अब तक कभी भी लागू नहीं किया है।

दरअसल रिजर्व बैंक मानता है कि सीसीवाईबी व्यवस्था का उद्देश्य दोहरा है। पहले इसके लिए बैंकों को बेहतर दिनों में पूंजी का एक बफर बनाने की आवश्यकता होती है ताकि खराब समय में ऋण के प्रवाह को बनाए रखने के लिए उसका इस्तेमाल किया जा सके। दूसरा उद्देश्य यह है कि बैंकिंग क्षेत्र ऋण वृद्धि की अवधि में अंधाधुंध कर्ज देने से रोकने के व्यापक विवेकपूर्ण लक्ष्य को हासिल कर पाता है। वर्ष 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में केंद्रीय बैंकों के गवर्नर और निगरानी प्रमुखों के समूह (जीएचओएस) ने प्रति-चक्रीय पूंजीगत उपायों यानी मुश्किल हालात से निपटने के लिए एक रूपरेखा अपनाने की वकालत की थी।

चालू वित्त वर्ष में कैंपस नियुक्ति में बरतनी होगी सावधानी: पर्सिस्टेंट सिस्टम्स CEO

मुंबई ● एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी पर्सिस्टेंट सिस्टम्स चालू वित्त वर्ष में शिक्षण संस्थान परिसर से नियुक्ति करने में 'सतर्क' रहेगा। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संदीप कालरा का कहना है कि जरूरत पड़ने पर प्रतिभा प्राप्त करने में आसानी होती है। कालरा ने पीटीआई-से कहा कि कंपनी ऐसे समय में जब व्यापक आर्थिक अनिश्चितताओं ने आईटी सेवाओं की मांग को कम कर दिया है, लाभप्रदता पर वृद्धि को प्राथमिकता देगी नियुक्ति के मामले में उन्होंने कहा कि कंपनी ने बीते वित्त वर्ष में 700 लोगों को नौकरी की पेशकश की थी। और उनमें से 500 लोग कंपनी से जुड़ चुके हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पहले की गई सभी नियुक्ति प्रतिबद्धताओं का सम्मान करेगी। शेष लोग अगले तीन से चार महीने में जुड़ेंगे। कालरा ने कहा कि उन्हें वर्तमान में आईटी उद्योग में कम हो रहे नौकरी छोड़ने की दर के कारण आने वाले समय में बहुत ज्यादा लोगों को काम पर रखने की जरूरत नहीं दिखती है। इससे उन्हें व्यवसाय के मोर्चे पर स्पष्टता आने के बाद जरूरत पड़ने पर प्रतिभा को काम पर रखने में मदद मिलती है। मौजूदा स्थिति के कारण कंपनी में नए वित्त वर्ष के लिए नियुक्ति योजना पर फिर से विचार करना पड़ रहा है। कंपनी का मुख्यालय पुणे में है।

उन्होंने कहा, ÷जहां तक शिक्षण संस्थानों में जाने और अगले साल के लिए 'ऑफर' देने की बात है, हम निश्चित रूप से इस पर सावधानी से विचार करेंगे क्योंकि मांग और आपूर्ति (स्थिति) के कारण हम अपनी जरूरत के अनुसार आपूर्ति प्राप्त करने में सक्षम हैं। हमें 12 महीने की भविष्योन्मुखी प्रतिबद्धताओं में जल्दबाजी करने की आवश्यकता नहीं है।

कृषि निर्यात बीते वित्त वर्ष अप्रैल-फरवरी के दौरान नौ प्रतिशत घटकर 43.7 अरब डॉलर पर

नयी दिल्ली। देश का कृषि निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-फरवरी के दौरान 8.8 प्रतिशत घटकर 43.7 अरब डॉलर रहा। इसका मुख्य कारण लाल सागर संकट, रूस-यूक्रेन युद्ध और चावल, गेहूं, चीनी तथा प्याज जैसी महत्वपूर्ण वस्तुओं पर लगाए गए घरेलू प्रतिबंध हैं। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल-फरवरी अवधि में कृषि निर्यात 47.9 अरब डॉलर रहा था। देश के कृषि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भी महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई। यह 2023-24 में केवल 0.7 प्रतिशत बढ़ी, जो 2022-23 में 4.7 प्रतिशत थी। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि एपीडा (कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण) 'बास्केट' में 719 अनुसूचित कृषि उत्पादों का निर्यात पिछले वित्त वर्ष के 11 महीनों के दौरान 6.85 प्रतिशत घटकर 22.4 अरब डॉलर रहा। जबकि अप्रैल-फरवरी 2022-23 में यह 24 अरब डॉलर था। एक अधिकारी ने कहा कि चावल, गेहूं, चीनी और प्याज जैसी वस्तुओं पर निर्यात प्रतिबंध और पाबंदियों से पिछले वित्त वर्ष में लगभग पांच-छह अरब डॉलर का कृषि निर्यात प्रभावित हुआ है। हालांकि, 24 प्रमुख वस्तुओं में से 17 में इस दौरान सकारात्मक वृद्धि देखी गई है। इसमें ताजे फल, भैंस का मांस, प्रसंस्कृत सब्जियां, बासमती चावल और केला शामिल हैं। मूल्य के संदर्भ में बासमती चावल का निर्यात 22 प्रतिशत बढ़कर अप्रैल-फरवरी 2023-24 में 5.2 अरब डॉलर रहा। यह अप्रैल-फरवरी 2022-23 में 4.2 अरब डॉलर था। अधिकारी ने यह भी कहा कि इजराइल-ईरान युद्ध का निर्यात पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि यह एक उभरती हुई स्थिति है, लेकिन हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं। फिलहाल कोई बड़ा झटका नहीं है। दुनिया ने 2022 में 113.66 अरब डॉलर मूल्य के शराब उत्पाद का आयात किया है।

ग्लोबल NCAP से बोलेरो नियो और होंडा अमेज को मिली खराब सुरक्षा रेटिंग, किआ का कारेंस मॉडल प्रभावी

नई दिल्ली ● एजेंसी

किसी दुर्घटना की स्थिति में वाहनों की सुरक्षा को परखने वाले मंच ग्लोबल एनसीएपी ने महिंद्रा के बोलेरो नियो मॉडल को सिर्फ एक स्टार दिया है जबकि होंडा की कार अमेज को दो स्टार रेटिंग मिली है। ग्लोबल एनसीएपी ने इन दोनों मॉडलों को नवीनतम सुरक्षा मानकों के अनुरूप परखने के बाद रेटिंग दी है। इनके साथ किआ के कारेंस मॉडल ने सुरक्षा रेटिंग में प्रभावी प्रदर्शन किया है। मजबूत गाड़ियां बनाने के लिए मशहूर महिंद्रा एंड महिंद्रा के बोलेरो नियो मॉडल को वयस्क और बच्चों की सुरक्षा के मामले में एक स्टार रेटिंग मिली है। वहीं होंडा अमेज कार को परीक्षणों के दौरान वयस्क श्रेणी में दो स्टार मिले हैं लेकिन बच्चों की श्रेणी में इसे शून्य स्टार दिया गया है। किआ कारेंस ने वयस्क श्रेणी में तीन स्टार रेटिंग पाने में सफलता पाई है जबकि बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से इसने पूरे पांच स्टार हासिल किए हैं। ग्लोबल एनसीएपी की तरफ से किसी वाहन को सर्वाधिक पांच स्टार दिए जाते हैं जबकि सबसे असुरक्षित पाए जाने वाले वाहनों को शून्य स्टार मिलता है।

इस निराशाजनक रेटिंग पर महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपने ग्राहकों और हितधारकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उसने हाल में उतारे गए सभी मॉडलों में सुरक्षा इंतजामों को बढ़ाया है। घरेलू वाहन विनिर्माता के एक्सयूवी700, एक्सयूवी300 और स्कॉर्पियो-एन जैसे कई मॉडलों को ग्लोबल एनसीएपी से चार और पांच स्टार की ऊंची रेटिंग मिल चुकी है। कारेंस की सुरक्षा रेटिंग में सुधार देखा गया है। पहले इसके शुरुआती मॉडल को वयस्क यात्री सुरक्षा में शून्य रेटिंग मिली थी लेकिन नए परीक्षण में यह तीन स्टार पाने में सफल रही है। इसके पीछे कारेंस में छह एयरबैग की मौजूदगी की अहम भूमिका रही है।

हालांकि होंडा अमेज को नए सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं किए जाने का नतीजा खराब रेटिंग के रूप में निकला है। इस पर होंडा कार्स इंडिया ने खेद जताते हुए कहा कि इलेक्ट्रॉनिक स्थिरता नियंत्रण (ईएसबी) और साइड एयरबैग जैसे उपकरण न होने से इसकी रेटिंग कम हुई है। दूसरी पीढ़ी वाली होंडा अमेज को ग्लोबल एनसीएपी ने वर्ष 2019 में चार स्टार रेटिंग दी थी।

मौसमी बीमारियों का नया पैटर्न: दवा से उतर जाता है बुखार, लेकिन हफ्तों तक नहीं जाती खांसी-खराश, कान के संक्रमण ने बढाई परेशानी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। बदलते मौसम में मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सरकारी और निजी अस्पतालों के ओपीडी एलर्जी, इंफेक्शन, वायरल बुखार, नजला, सूखी खांसी और पेट दर्द जैसी शिकायतों लेकर आ रहे रोगियों से भरे हैं। शहर के एसएमएस और इससे जुड़े सैटेलाइट अस्पतालों में रोज ऐसे मरीज पहुंच रहे हैं, जिन्हें दवा लेने के बाद भी मौसमी बीमारियों में राहत नहीं मिल रही है। इस बार कान गले और आंखों से जुड़े इन्फेक्शन के मरीज भी पिछले साल की तुलना में ज्यादा देखने को मिल रहे हैं। एसएमएस मेडिसिन ओपीडी में रोज 1200 से 1300 मरीज वायरल फीवर, खांसी और इन्फेक्शन के आ रहे हैं। लोगों का कहना है कि दवा से बुखार तो उतर जाता है लेकिन गले की खराश, सूखी खांसी कई हफ्तों तक बनी रहती है। खांसी इतनी तेज होती है कि सीने और पसलियों में भी दर्द की शिकायत सामने आ रही है। डॉक्टर्स का मानना है कि शहर में ऐसी खांसी के हर दिन करीब 1000 मामले सामने आ रहे हैं। डॉ सक्सेना का कहना

है कि इन दिनों इंफेक्शन और एलर्जी का एक बड़ा कारण परागकणों का हवा में मौजूद होना है। खांसी और बुखार ठीक होने में 8 से 10 दिन लग रहे हैं। डॉ सक्सेना ने बताया कि इस समय उनके पास जो मरीज़ आ रहे हैं उनमें 20-22 से लेकर 35-40 साल तक के युवा ज्यादा हैं, क्योंकि उनका प्रदूषण, धुंआ और इन्फेक्शन से ग्रसित लोगों के साथ एक्सपोजर ज्यादा होता है। इसके अलावा 60 या इससे ज्यादा की उम्र के लोगों में पहले से ही अस्थमा, हाई बीपी, डायबिटीज, तम्बाकू की वजह से इस तरह के इन्फेक्शन सामने आते हैं। एसएमएस मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक विशाल गुप्ता का कहना है कि उल्टी-दस्त के मरीज दवा लेकर 2 से 3 दिन में ठीक हो जाते हैं, लेकिन खांसी वाले मरीजों को 8 से 10 दिन का समय लग रहा है। इन दिन जो वायरल चल रहा है उसमें तीन से चार दिन बुखार रहता है। जुकाम, हाथ-पैरों में दर्द, शरीर में कमजोरी इसके आम लक्षण हैं। सर्दी-जुकाम, आंखों से पानी आना एलर्जी की वजह से है लेकिन बुखार इन्फेक्शन के कारण है। इन दिनों एसएमएस में पेट दर्द, उलटी, दस्त, खांसी बुखार और जुकाम जैसी शिकायतें लेकर आने वाले मरीजों की संख्या में 20 से 30 फीसदी इजाफा हुआ है । एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ अचल शर्मा का कहना है कि कोविड के बाद लोगों की इम्युनिटी पर कोई असर नहीं पड़ा, बल्कि जिनकी इम्युनिटी कमजोर है, वे लंबे समय तक बैक्टीरियल और वायरल इन्फेक्शन की चपेट में आ जाते हैं। कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों में या तो ऐसे रोगों की गंभीरता बढ़ जाती है या वो ठीक होने में सामान्य से ज्यादा वक्त लगता है। बदलते मौसम से सिर्फ जुकाम-खांसी, एलर्जी और बुखार खांसी के रोगी ही नहीं बढ़े हैं, बल्कि कान के संक्रमण से जुड़े मरीजों की संख्या भी बढ़ी है। नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ शुभकाम आर्य का कहना है कि इस साल उनके पास कान के इन्फेक्शन 'ग्लू इयर' से जुड़े मरीज़ भी आ रहे हैं जो पिछले साल तक नहीं था।

ग्लू इयर में कान में सूजन के अलावा कान के पर्दे के पीछे चिपचिपा द्रव्य इकट्ठा हो जाता है।

इससे कान में भारीपन, सुन्न रहना और कम सुनाई देने की परेशानी सामने आती है। सामान्यत: 7-8 दिन में ठीक होनी वाली इस अवस्था में अभी 15 से 20 दिन तक का समय लग रहा है।

सेल्फ मेडिकेशन और एंटी बायोटिक बनी मुसीबत

शहर के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ गणेश नारायण सक्सेना का कहना है कि इस समय एलर्जी से जुड़ी बीमारियों और वायरल के मरीज सबसे ज्यादा आ रहे हैं। डॉ. सक्सेना का कहना है कि सेल्फ मेडिकेशन ओर एंटी बायोटिक का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल वजह है कि बीमारियां जल्दी ठीक नहीं हो रही। लोग किसी तरह के बुखार में तुरंत सेल्फ मेडिकेशन शुरू कर एंटी बायोटिक लेना शुरू कर देते हैं। बिना किसी वैज्ञानिक प्रमाणिकता या कारण के डॉक्टर्स भी स्टेरॉइड्स, एंटी बायोटिक्स दे रहे हैं। इसलिए भी दवाएं अपना असर नहीं दिखा पा रही हैं ।

उचियारड़ा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट वापस लिया

उदयपुर एनआई 7 कोर्ट ने किया था जारी, 20 मई को होगी अगली सुनवाई

जोधपुर । जोधपुर लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट को कोर्ट ने वापस ले लिया है। उचियारड़ा के वकील ने कोर्ट में एप्लीकेशन दी थी, जिसे स्वीकार करते हुए वारंट को निरस्त किया गया। बता दें कि दो दिन पहले उचियारड़ा के खिलाफ उदयपुर एनआई 7 कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, जिसे कोर्ट ने बिना तामील के वापस मंगवा लिया है। पहले वारंट 16 अप्रैल को जारी किया गया था। वारंट सोशल मीडिया पर वायरल होने पर करण सिंह के वकील दुर्गा सिंह शक्तावत् ने कोर्ट में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया। कोर्ट को बताया कि इसी साल 29 फरवरी को मामले में अंडर टेकिंग पेश की गई थी। कोर्ट ने आगामी पेशी 13 मई की दी लेकिन ऑर्डर शीट पर यह तारीख 13 अप्रैल की गई। इस तारीख पर महीने का दूसरा शनिवार होने के कारण अवकाश था। इसके अगले दिन रविवार था। इस कारण उन्हें 13 अप्रैल की जानकारी नहीं है। इस पर कोर्ट ने प्रार्थना पत्र स्वीकार कर जारी गिरफ्तारी वारंट को निरस्त कर दिया और पुलिस कमिश्नर जोधपुर को वारंट अदम तामील रिकॉल किया ।

सुखाडिया सर्किल पर जमीन बेचने से जुड़ा मामला

प्रकरण में आगामी सुनवाई 20 मई को तय की गई है। यह मामला उदयपुर के सुखाड़िया सर्किल पर जमीन बेचने से संबंधित चेक से जुड़ा है। परिवादी सुरेश कुमार रलोती ने 5 करोड़ रुपए के चेक अनादरण करने को लेकर शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसकी सुनवाई 29 फरवरी को हुई थी।

राजस्थान में दो दिन के दौरे पर कंगना रनोट: तीन लोकसभा सीटों पर करेंगी 4 रोड शो, हिमाचल की मंडी सीट से लड़ रही चुनाव

जयपुर। राजस्थान में दूसरे चरण के मतदान को लेकर बुधवार शाम 6 बजे चुनाव प्रचार थम जाएगा। इससे पहले बीजेपी ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक रखी है। आज पीएम मोदी की टोंक के उनियारा में चुनावी सभा हुई। वहीं, कोटा और चित्तौड़गढ़ में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रचार का किया। इसी तरह से आज शाम फिल्म अभिनेत्री और हिमाचल की मंडी से बीजेपी प्रत्याशी कंगना रनोट प्रचार के लिए राजस्थान आ चुकी हैं। वे प्रदेश में दो दिन चुनाव प्रचार करेंगी। दो दिनों में कंगना राजस्थान की तीन लोकसभा सीटों पर बीजेपी प्रत्याशी के समर्थन में चार रोड शो करेंगी। उनका पहला रोड शो पाली लोकसभा क्षेत्र में हुआ। उन्होंने करीब डेढ़ किलोमीटर के रोड शो में पाली से बीजेपी प्रत्याशी पीपी चौधरी के समर्थन में रोड शो किया। यह रोड शो पाली के महादेव मंदिर हाउसिंग बोर्ड से शिवाज़ी सर्किल तक हुआ।

प्रचार के अंतिम दिन भी राजस्थान में संभालेंगी मोर्चा

कंगना रनोट आज और कल दो दिन राजस्थान में चुनाव प्रचार करेगी। पाली लोकसभा के बाद वे जोधपुर जाएंगी। यहां रात 8 बजे वे जोधपुर से बीजेपी प्रत्याशी व केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के समर्थन में रोड शो करेगी। इसके बाद कंगना जोधपुर में ही रात्रि विश्राम करेगी। कल सुबह वह जोधपुर से जैसलमेर पहुंचेगी। यहां सुबह जैसलमेर में बाड़मेर-जैसलमेर में बीजेपी प्रत्याशी व केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी के समर्थन में हनुमान चौराहे से गढ़ीसर चौराहे तक होने वाले रोड शो में शामिल होंगी। वहीं दिन में जैसलमेर से बाड़मेर पहुंचेगी। यहां बाड़मेर में भी कैलाश चौधरी के समर्थन में विवेकानंद सर्किल से गांधी चौक तक करीब डेढ़ किलोमीटर का रोड शो करेगी। रोड शो के बाद कंगना रनोट कुल्लु के लिए रवाना हो जाएगी।

चोरी के डर से सोने की चेन निगल गई महिला

पेट में जगह-जगह घाव हुए, जयपुर में बिना ऑपरेशन किए बाहर निकाली गई

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर । जयपुर में 75 साल की बुजुर्ग महिला ने चोरी होने के डर से सोने की चेन निगल ली। इस चेन को पिछले दिनों जयपुर के एक निजी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने निकाला है। एंडोस्कोपिक प्रोसीजर के जरिए चेन को निकाला गया। दरअसल, चेन निगलने से महिला के पेट में जगह-जगह घाव हो गए थे, जिससे उसके अल्सर बन गए। अब महिला की हालत ठीक बताई जा रही है । गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. विनायक कल्ला ने बताया- डिमेंशिया (दिमाग की बीमारी) से पीड़ित 75 वर्षीय महिला को यह भ्रम हो गया कि उसके घर चोर घुस आया है। इस भ्रम में उसने अपनी सोने की चेन को बचाने के लिए निगल लिया। डॉक्टर ने बताया- चेन निगलने के बाद महिला के पेट में तेज पेट दर्द के साथ खाना-खाने समेत अन्य चीजें खाने में भी समस्या आने लगी थी। तकलीफ के बाद महिला को हॉस्पिटल में दिखाने के लिए लाया गया। यहां जांच की तो देखा महिला के पेट में चेन पड़ी है। इस चेन के निगलने से महिला की भोजन नली और पेट में जगह-जगह घाव हो गए। जो अल्सर बन गए थे। ऐसे में उन्हें तेज पेट दर्द

तेज दर्द से परेशान थी महिला

हो रहा ता। खाना निगलने में परेशानी जैसे लक्षण दिख रहे थे।

सर्जरी से निकालना जटिल

डॉक्टर ने बताया- पेट में अल्सर होने और महिला की उम्र ज्यादा होने से उसका ऑपरेशन करना मुश्किल था। इसलिए हमने एंडोस्कोपी से ही चेन निकालने का निर्णय लिया। इसके लिए रॉथ बास्केट तकनीक से पेट से चेन निकालने की प्रक्रिया की गई। डॉक्टर ने बताया कि एंडोस्कोपी से भी चेन को निकालना आसान नहीं था। क्योंकि चेन लम्बी थी और उसको निकालने के दौरान महिला के पेट में घाव होने का खतरा ज्यादा था। डॉक्टर ने बताया कि एंडोस्कोपिक प्रोसीजर से चेन निकालने के बाद अब महिला की तबीयत ठीक है और उसके अल्सर भी धीरे-धीरे ठीक होने लगे है ।

जयपुर में घर में घुसकर महिला की हत्या:बिस्तर पर पड़ी मिली लाश; घर को अंदर से बंद कर छत से कूदकर भागा बदमाश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर में घर में घुसकर एक महिला की हत्या कर बदमाश छत से कूदकर फरार हो गया। परिजनों को बंद मकान में महिला की लाश बेड पर पड़ी मिली। घटना के वक्त महिला घर अकेली थी। पूरा परिवार शादी में गया हुआ था।

घटना जयपुर के बगरू थाना इलाके के बारवाल की ढाणी लोहरवाडा वेदांत सिटी की है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर एक संदिग्ध युवक को पकड़ा है। युवक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस की शुरुआती जांच में महिला का मुंह दबाकर हत्या करना सामने आया है।

SHO (बगरू) हरिश चंद सोलंकी ने बताया- बारवाल की ढाणी लोहरवाडा वेदांत सिटी में निवासी हीरा देवी (51) पत्नी भीम सिंह की का शव बेड पर पड़ा मिला। हीरा देवी अपने बेटे-बहू के साथ रहती थीं। 20 अप्रैल को बेटा सतीश पत्नी और बच्चों के साथ अजमेर शादी में गया था। 21 अप्रैल की रात बदमाश लूट के इरादे से घर में घुस गया। घर में मौजूद हीरा देवी ने बदमाश का विरोध किया तो मुंह दबाकर हत्या कर दी। लाश को बेड पर पटककर बदमाश फरार हो गया।

अंदर से लॉक था घर: मृतका

के बेटे सतीश ने बताया- रविवार रात करीब 10:40 बजे कॉल करने पर मां हीरा देवी ने फोन नहीं उठाया। बड़े भाई मांगीलाल को कॉल कर भांजे पुलकित को घर भेजने के लिए कहा। भांजा पुलकित और चचेरी बहन माया और मौसी की लड़की अंजली घर पहुंचे। घर का गेट अंदर से बंद था। लाइट भी बंद थी। काफी आवाज लगाने के बाद भी मां हीरा देवी ने जवाब नहीं दिया। अनहोनी की आशंका पर गेट की कुंदी तोड़कर घर के अंदर गए।

बेड पर पड़ी थी मां की लाश

सतीश ने बताया- घर के अंदर जाकर कमरों में देखा। अंदर वाले कमरे में मां लाश बेड पर पड़ी हुई थी। मां की लाश देखकर परिवार के सदस्यों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। आस-पास के लोग भी इकट्ठा होकर घर पहुंच गए। मर्डर की सूचना पर बगरू थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। मां हीरा देवी के गले पर चोट के निशान थे। पास ही तकिया पड़ा हुआ था।

छत से कूदकर भागा बदमाश

सतीश ने बताया- मां हीरा देवी की हत्या के बाद बदमाश ने घर को अंदर से लॉक कर दिया था। सभी लाइट बंद कर दी। जिससे किसी को शक नहीं हो। इसके बाद छत पर पहुंचा। गेट को बाहर से लॉक कर भाग निकला। जब लोग घर पर एकत्रित हुए इस दौरान घर के पास एक मोबाइल की लाइट जलती दिखी। लोगों ने उस युवक को पकड़ लिया।

सतीश ने बताया- पकड़ा गया राजू छीपा बगरू का रहने वाला है। नशेड़ी प्रवृत्ति का राजू अक्सर घर के पास आता-जाता रहता था। कई बार उसे घर के आस-पास घूमने से मना भी किया था। संदिग्ध को पकड़ कर लोगों ने बगरू थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस फिलहाल पूछताछ कर जल्द ही हत्या के मामले का खुलासा करने का प्रयास कर रही है।

SMS हॉस्पिटल में ब्लड डोनेशन के बाद युवक की मौत: सीने में दर्द होने पर इमरजेंसी में कराया भर्ती; डॉक्टरों ने कहा- हार्ट अटैक आया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल (स्स्स्) में ब्लड डोनेशन के बाद एक युवक की मौत हो गई। युवक अपने नाना को ब्लड देने अस्पताल आया था। ब्लड डोनेट करने के बाद अचानक सीने में दर्द की शिकायत हुई। इसके बाद उसे इमरजेंसी में भर्ती किया गया, जहां उसकी कुछ देर बाद मौत हो गई। डॉक्टरों ने हार्ट अटैक से मौत होना बताया है। एसएमएस हॉस्पिटल में इमरजेंसी के उप अधीक्षक डॉ. जगदीश मोदी ने बताया- 27 साल का नीतेश नाम का युवक मंगलवार सुबह अपने नाना को ब्लड देने हॉस्पिटल आया था। ब्लड देने के बाद वह माम के साथ अस्पताल। तभी उसे हॉस्पिटल की इमरजेंसी में लेकर आए, जहां उसे डॉक्टरों ने देखा और सीपीआर दी, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। डॉ. मोदी ने बताया कि युवक की मौत का प्राथमिक कारण कार्डियक अरेस्ट ही माना जा रहा है। युवक चाकसू का रहने वाला बताया

जा रहा है। हॉस्पिटल प्रशासन का कहना है कि युवक ब्लड डोनेट करने सुबह करीब 10:15 बजे आया था। ब्लड डोनेट करने के बाद चला गया। इसके बाद उसे दोपहर करीब 12.15 बजे इमरजेंसी में लाया गया। डॉक्टरों ने बताया- नीतेश को जब इमरजेंसी में लेकर आए, उसकी सीपीआर रूम में ईसीजी की गई। उसकी रिपोर्ट नॉर्मल आई थी। हालांकि डॉक्टर इस घटना को कार्डियक अरेस्ट ही मान रहे हैं। युवक का शव मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

एक्सपर्ट बोले- ब्लड डोनेशन से कार्डियक अरेस्ट नहीं आता

एसएमएस मेडिकल कॉलेज में जनरल मेडिसिन डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रो. डॉक्टर जी.एल. धायल ने बताया- ब्लड डोनेट के बाद डोनर के मामूली चक्कर आना आमबात है। इसलिए ब्लड डोनेट के बाद डोनर को कुछ हल्का खाने-पीने (कॉफी-चाय, जूस या नारियल पानी या हल्का नाश्ता) के लिए भेजा जाता है। इतना ही नहीं अगर डोनर खाली पेट होता है तो उसे ब्लड डोनेट करने से पहले कुछ खिलाया-पिलाया जाता है ताकि उसे चक्कर आने की परेशानी न हो।

कुर्सी बैठे-बैठे हो गई मौत

नीतेश के मामा राधा मोहन ने बताया- नीतेश अपने नाना जो कैंसर विभाग की रेडियोलॉजी विंग में भर्ती है, उन्हें ब्लड देने आया था। सुबह करीब सवा 10 बजे ब्लड देने के बाद हम दोनों चाय पीने एसएमएस अस्पताल के बाहर आ गए। यहां कॉफी पीकर और दूध गर्म करवाकर वापस वार्ड में पहुंचे। वार्ड में ही नीतेश के सीने में तेज दर्द उठा। इसके बाद उसे व्हीलचेयर पर इमरजेंसी में लेकर गए। नीतेश की ईसीजी करवाई और उसे कुर्सी पर बैठा दिया। कुर्सी पर बैठे-बैठे ही नीतेश बेहोश हो गया, इसके बाद वहां मौजूद डॉक्टरों ने जब उसे बैड पर लेटाकर सीपीआर दी तो कोई मूवमेंट नहीं हुआ। इसके कुछ देर बाद डॉक्टरों ने नीतेश को मृत घोषित कर दिया।

ट्रेन से गिरने से युवक की मौत: रेलवे ट्रैक के पास मिला शव; जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

सवाई माधोपुर। सवाई माधोपुर में ट्रेन से गिरने से एक युवक की मौत हो गई। इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने कोतवाली पुलिस को दी है। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। यहां पहुंचकर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया। इसके बाद शव को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। पुलिस के अनुसार युवक की पहचान दिलनवाज पुत्र बाबूशाह के रूप में हुई है।

कोतवाली थानाधिकारी राजवीर सिंह ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे स्थानीय लोगों ने प्रकाश टॉकीज के पास के शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। यहां पहुंचकर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस को मौके पर युवक के कपड़ों से कोई आईडी नहीं मिली। युवक के पास

पुलिस को एक मोबाइल मिला। जिससे पुलिस ने परिजनों को फोन कर युवक की पहचान दिलनवाज शाह (26) पुत्र बाबूशाह निवासी हाट रोड़ थाना माणक चौक रतलाम मध्यप्रदेश के रूप में की। जिसके बाद पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। फिलहाल पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। पुलिस के अनुसार परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

जयपुर सेंट्रल जेल में जमीन में दबा मिला मोबाइल मंदिर के पीछे छुपा रखा था

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल में एक बार फिर मोबाइल फोन मिले हैं। जेल प्रशासन ने बंदी प्रदीप रावत के खिलाफ लाल कोठी थाने में मोबाइल रखने का केस दर्ज करवाया है। जेल प्रहरी सुमेर सिंह ने रिपोर्ट में बताया कि जेल के वार्ड नंबर 4 के बैरक नंबर 2 की तलाशी कर रहा था। इस दौरान बैरक के सामने मंदिर के पीछे मिट्टी की स्थिति देखने पर शक हुआ। उस जगह खुदाई करवाई। यहां पन्नी में बंद की-पैड वाला मोबाइल फोन मिला। प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि यह मोबाइल बंदी प्रदीप रावत पुत्र दाताराम गुर्जर का है । इस पर लाल कोठी थाने मे विचाराधीन बंदी

के खिलाफ धारा एफआईआर दर्ज कराई गई। लाल कोठी थाने के जांच अधिकारी हेड कॉन्स्टेबल जुगल किशोर ने बताया- जेल से मिली रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज कर मोबाइल जब्त कर लिया है।

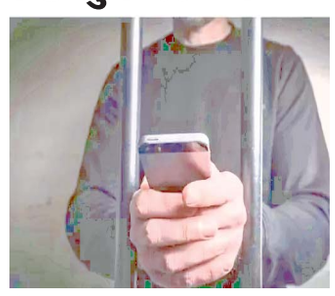

कोर्ट से परमिशन लेकर जेल में बंदी से पूछताछ की जाएगी। यह मोबाइल कहां से लेकर आया। वह इसका क्या इस्तेमाल करता था।

शहर में तिरुपति बालाजी की पहली प्रतिमा स्थापित:वैदिक मंत्रोचारण के साथ की 300 किलो वजनी प्रतिमा की स्थापना, श्रद्धालुओं ने लगाए जयकारे

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जोधपुर। चांदपोल स्थित अजनेश्वर आश्रम में मंगलवार को तिरुपति बालाजी की मूर्ति स्थापित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु आश्रम में मौजूद रहे । वैदिक मंत्रोचारण के साथ मूर्ति की स्थापना की गई। 4ऱ30 फीट की तिरुपति बालाजी की मूर्ति का वजन 300 किलो है। जिसे काले पत्थर में तराश कर

बनाया गया है। जोधपुर में तिरुपति बालाजी की पहली बार प्रतिमा स्थापित की गई है। मंदिर में इस मौके हवन भी किया गया।

जानकारी देते हुए कमल सर्राफ ने बताया कि गुरु शांतेश्वर महाराज के सानिध्य में पिछले तीन दिनों से मूर्ति की प्रतिष्ठा के लिए अनुष्ठान किए जा रहे थे। इसे जयपुर में बनाया गया था। मूर्ति का वजन करीब 300 किलो है। जिसे मंगलवार को स्थापित किया गया।

इस अवसर पर भगवान को फल, फूल, मिष्ठान, सूखे मेवे आदि का भोग लगाया गया। वहीं प्रसादी का वितरण श्रद्धालुओं में किया गया। श्रद्धालुओं ने आरती उतारकर सुख समृद्धि की मंगलकामना की।

इस अवसर पर उमेश लीला, राजेश अग्रवाल, लक्ष्मीकांत पीती, निरंजन माथुर, एसपी अग्रवाल, गोपी किशन मलानी सहित कई साधु संत व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया वेबकास्टिंग व्यवस्था का अवलोकन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । लोकसभा आम चुनाव,2024 के तहत मतदान दिवस पर मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग के जरिए नजर रखी जाएगी। वेबकास्टिंग के लिए जिला कलक्ट्रेट परिसर में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। वेबकास्टिंग के लिए की गई व्यवस्था का मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय गोदारा ने जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि निगरानी के दौरान सभी तरह की सूचनाएं निर्धारित प्रपत्रों में सावधानी के साथ पूर्ति की जावे। उन्होंने वेबकास्टिंग व्यवस्था का अवलोकन कर आवश्यक जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि वेबकास्टिंग के लिए नियोजित कार्मिकों की आईडी कार्ड के साथ ही प्रवेश की सुनिश्चितता रहे। साथ ही किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश निषेध रहे। उन्होंने रजिस्टर संधारित करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान जिला सूचना विज्ञान अधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारी को कोटा- बूंदी एवं भीलवाड़ा लोकसभा के विधानसभावार चिन्हित मतदान केन्द्रों की निगरानी के लिए की गई वेबकास्टिंग व्यवस्था के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वेबकास्टिंग के लिए नियोजित कार्मिकों को इस संबंध में प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि कार्य को सुचारू किया जा सके। इसके अलावा कक्ष में मोबाइल का प्रयोग वर्जित रहेगा। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी घनश्याम शर्मा, डीओआईओ अनिल भाल, डीओआईडी के संयुक्त महेन्द्रपाल आदि मौजूद रहे ।

नरेंद्र अग्रवाल भारतीय डाक कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष बने

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा । भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध भारतीय डाक कर्मचारी संघ राजस्थान परिमंडल का दो दिवसीय प्रदेश अधिवेशन सोमवार एवं मंगलवार को जयपुर मे आयोजित किया गया। कोटा मंडल अध्यक्ष मनोज मीणा ने बताया की राजस्थान परिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष के रूप मे नरेंद्र अग्रवाल का निर्वाचन किया गया। अग्रवाल वर्तमान में कोटा मंडल मे मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के पद पर नई धान मंडी मे कार्यरत है। उनके निर्वाचन पर डाककर्मियों में हर्ष की लहर है । इस अवसर पर नरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि भारतीय डाक कर्मचारी संघ राजस्थान परिमंडल का नेतृत्व कोटा को मिलना गौरवान्वित वाला पल है। वहीं उन्होंने कहा कि डाककर्मियों की समस्याओ को समाधान कराने के लिए हरसम्भव प्रयास किया जायेगा।

मतदान दिवस 26 अप्रेल को रहेगा संवैतनिक अवकाश, अवहेलना करने पर होगी कार्यवाही

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बून्दी। आयुक्त ने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में स्थित निजी या सार्वजनिक प्रतिष्ठानों,दुकान,औद्योगिक उपक्रम या कारोबार,व्यवसाय में कार्यरत कामगारों साथ ही ऐसे कार्मिक जो राजस्थान राज्य के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के पंजीकृत मतदाता है, परन्तु उन लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के बाहर कार्यरत है, उन्हें उनके क्षेत्र में मतदान दिवस 26 अप्रेल के लिए सभी संस्थानों में कार्यरत सभी कामगारों को जिनमें आकस्मिक कामगार भी सम्मिलित है, को संवैतनिक अवकाश प्रदान करने के लिए विनिर्दिष्ट किया है ताकि उनके द्वारा मतदान के अधिकार का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से उपयोग किया जा सके। श्रम कल्याण अधिकारी ने बताया कि यदि कोई नियोजक उक्त प्रावधानों की अवहेलना करते के लिए मतदान के दिन कर्मचारी को मताधिकार का उपयोग करने के लिए अवकाश नहीं देता है तो इसके लिए दण्डात्मक कार्यवाही के लिए संबंधित रिटर्निंग अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी तथा विभाग के मोबाईल नम्बर 8690732296 पर सूचित कर सकता है ।

मंगाल में शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा रैली निकालकर शत प्रतिशत मतदान करने के लिए पीले चावल बाटे

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मंगाल के विद्यार्थियों शिक्षकों और अधीनस्थ विद्यालयों के संस्था प्रधानों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत गांव में रैली निकाल कर शत प्रतिशत मतदान करने का संदेश दिया प्रभारी ब्रजमोहन मीणा में बताया कि स्थान स्थानीय विद्यालय में पंचायत क्षेत्र के अधीनस्थ समस्त संस्था प्रधानों की मासिक बैठक पीईईओ सीता अजमेरा की अध्यक्षता में आयोजित की गई बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर मंगाल क्षेत्र के बुथो पर समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा बैठक के बाद समस्त अधिकारियों कर्मचारियों आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं विद्यार्थियों द्वारा मंगाल गांव में मतदान अवश्य करना है, छोड़ो सारे काम पहले करो मतदान के नारो के साथ रैली निकाल कर पीले चावल बाट बाटकर शत प्रतिशत मतदान करने का संदेश दिया रैली के अंत में समस्त कर्मचारियों और ग्राम वासियों को मतदान करने की शपथ भी दिलाई गई इस दौरान गोपी कृष्ण स्वामी, कविता श्रृंगी ,चेतना मंगल, ललिता चित्तौड़ा प्रियंका राणा ,गौतम प्रकाश शर्मा, राजमल मीणा, सुनीता सुहल, सुनीता मीणा, रामभरोस मीणा, शंकर लाल मीणा, बद्री लाल मीणा, ब्रजमोहन मीणा ,रामराज गुर्जर, नवनीत सोनी, अंजार अहमद, ललित राठौर प्रेम शर्मा, ग्राम विकास अधिकारी हर्षित खत्री आदि शिक्षक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता विद्यार्थी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

मंशापूर्ण हनुमान मंदिर के शिखर पर स्थापित हुआ स्वर्ण कलश, शीतला माता की मूर्ति की हुई प्राण प्रतिष्ठा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा । श्री मंशापूर्ण हनुमान मंदिर प्रबंध समिति, छावनी की ओर से आयोजित चार दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव समारोह के तहत मंगलवार को मंशापूर्ण बालाजी का पंचामृत से महाअभिषेक किया गया। इस दौरान प्रतिमा का स्वर्ण श्रंगार हुआ तथा 11 पंडितों के द्वारा पूजन किया गया। वहीं रात्रि को 125 दीपक से महाआरती की गई। इस दौरान बजरंग बली के जयकारे गूंजते रहे। दिनभर दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा। इस दौरान मंदिर पर शीतला माता की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा विधि विधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ की गई। आचार्य संजय चतुर्वेदी के पौराहित्य में पंडितों ने जलाधिवास, अन्नाधिवास, फलाधिवास, पुष्पाधिवास जैसी वैदिक क्रियाएं सम्पन्न कराई। मंदिर में आयोजित यज्ञ में भक्तों ने आहुतियां दी। इसके बाद मंदिर के शिखर पर साढे 14 किलो वजनी और साढे 4 फीट लम्बाई का स्वर्ण कलश स्थापित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष गजानन्द जैन, सचिव जयप्रकाश तुसिया, उपाध्यक्ष नितेश सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र यादव, व्यवस्थापक चन्द्रशेखर शाक्यवाल, तेजेन्द्र सिंह, नरेन्द्र तुसिया, गिरीश चौधरी, योगेन्द्र सिंह, कमल शाक्यवाल, सिमरनजीत सिंह समेत बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे । श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में रात्रि को भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें गायक महेन्द्र अलबेला और तनु शर्मा ने श्रीराम, वीर हनुमान के साथ विभिन्न देवी देवताओं का गुणगान करते हुए सरस भक्तिगीतों से भक्तों को सराबोर कर दिया। भजन संध्या की शुरूआत गणपति स्तुति ''गौरी के नंदा गजानंद...'' भजन की शानदार प्रस्तुति से की गई। इसके बाद ''मरूधर में ज्योत जगा गयो...'', ऐ री सखी मंगल गाओ री, धरती अम्बर सजाओ री...'', ''वारी जाऊं रे गुरू सा बलिहारी जाऊं...'' भजन की प्रस्तुति दी। इसके बाद ''थारी जय हो पवन कुमार बजरंग बाला जी...'', ''दुनिया चले ना श्री राम के बिना, रामजी चले ना हनुमान के बिना...'', ''झालर शंख नगाडा बाजे हो, छावनी के मंदिर में हनुमान विराजे रे...'', ''जय बोलो सियावर राम की...'', ''राम से बड़ा राम का नाम...'' सरीखे एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। इसके बाद देर रात तक भजनों की प्रस्तुति पर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन आज

21 जोड़ों का सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन आज

समिति के अध्यक्ष गजानंद जैन ने बताया कि बुधवार को प्रातः 9 बजे से मंदिर प्रांगण छावनी पर सर्वजातीय निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिसमें 31 जोड़ो का विवाह संपन्न होगा। सभी जोड़ों की बैंडबाजे के साथ निकासी निकाली जाएगी। इसके बाद तोरण, वरमाला और कन्यादान की परंपरा का निर्वहन होगा। सामूहिक विवाह सम्मेलन में विभिन्न संस्थाएं और सर्व समाज के लोग कन्यादान करेंगे। उन्होंने बताया कि बुधवार को ही दोपहर 1 बजे से विशाल आम भंडारा आयोजित किया जाएगा। जिसमें 50 हजार से अधिक लोग प्रसादी ग्रहण करेंगे। विवाह सम्मेलन के मुख्य माता पिता की बोली मंगलवार को आयोजित हुई। भण्डारे के लिए हर घर से आटा, सब्जी और किराना सामग्री आती है ।

कांग्रेस अल्पसंख्यकवाद के नाम पर गरीब और बहुसंख्यकों के हितों को निरंतर बड़ा नुकसान पहुंचाती रही है - मदन दिलावर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा । यह चुनाव सशक्त भारत का चुनाव है, देश को संभालने वाले तेजश्री व्यक्तित्व का चुनाव है। पूरा देश भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनने के लिए आतुर है। मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए कोटा बूंदी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला को भारी बहुमत से विजय बनाकर के मोदी जी को ताकत देनें लोकसभा में भेजें। यह बात राजस्थान के शिक्षा मंत्री एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर पत्रकारों से रूबरू होते हुए कही जहा भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कोटा संभाग के प्रभारी मुकेश दाधीच एवं शहर जिला अध्यक्ष राकेश जैन ने भी वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान भाजपा की प्रदेश मंत्री अनुसूईया गोस्वामी, भाजपा के कोटा संभाग मीडिया संयोजक अरविंद सिसोदिया, सोशल मीडिया संभाग संयोजक रजनीश राणा, मीडिया जिला संयोजक श्याम गौड़ और हुकूमत सिंह झाला भी मौजूद रहे। मंत्री मदन दिलावर ने भारतीय जनता पार्टी के कोटा लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी ओम बिरला के पक्ष में बोलते हुए कहा कि कांग्रेस के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने देश के संसाधनों पर पहला हक समुदाय विशेष का बताया था, जबकि देश के संसाधनों पर पहला हक देश गरीबों का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सर्वेसर्वा सोनिया गांधी की देखरेख में सांप्रदायिक हिंसा प्रतिषेध कानून का ड्राफ्ट बनाया गया था, जो कि कांग्रेस के हिंदू विरोधी चेहरे को बड़ी स्पष्टता से उजागर करता प्रमाणिक प्रमाण है, दिलावर ने आरोप लगाया कि यह वही कांग्रेस पार्टी है जो आतंकवादियों को बचाने के लिए आधी रात को सुप्रीम कोर्ट खुलवाती है, इस तरह की आतंकवादियों के फेवर वाली पार्टी, बहुसंख्यकों के विरुद्ध तुष्टिकरण करने वाली कांग्रेस पार्टी कभी भी देशभक्त नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि देश के विभाजन के समय पाकिस्तान, बांग्लादेश आदि क्षेत्रों में गरीब हिंदू वर्ग के एससी-एसटी के लोग गरीबों के कारण, उन्हीं क्षेत्रों में फंसे रह गए थे और तब उनकी संख्या पाकिस्तान में 20 प्रतिशत से भी अधिक थी, किंतु उनके साथ वहां के बहुसंख्यक समाज ने अत्याचार किए हिंसात्मक व्यवहार किया, जबरिया धर्मांतरण, बहन बेटियों के साथ बलात्कार किए वही जबरिया घरों से उठा लिया गया और जिसके कारण अब वहाँ एक - डेढ़ परसेंट ही हिन्दू बचे हैं, उनमें से कुछ लोग जैसे - तैसे जान बचाकर के भारत आ गए, उन्हें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार ने गले लगाया, बराबरी का दर्जा दिया, इसके लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार को हिन्दू,एस सी,एस टी वर्ग धन्यवाद देता हैं किंतु कांग्रेस नें हिंदू विरोधी मानसिकता के चलते सीएए का लगातार विरोध किया, जो कांग्रेस के हिन्दू विरोधी असली चेहरे को बेनक़ाब करता है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने कोरोना जैसी महामारी को परास्त किया और लाखों लोगों को मौत के मुंह से बाहर निकाला है।

बूंदी रियासत पर भंवर जितेंद्र सिंह को मिला अपने हक में फैसला

भंवर जितेंद्र को माना आशापुरा माता जी ट्रस्ट का असली उत्तराधिकारी

बूंदी । राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी खबर, भंवर जितेंद्र सिंह को मिला अपने हक़ मे फ़ैसला! अविनाश चानाना के पुत्रों ने उपस्थित होकर कोर्ट मे आगे कार्यवाही करने से किया इनकार और कुलदेवी अह्यह्याशापुरा माता जी ट्रस्ट एवं भँवर जितेंद्र सिंह को माना असली उतराधिकारी।

जिला आयुर्वेद चिकित्सालय बूंदी में पंचकर्म चिकित्सा से किया जा रहा है ला इलाज बीमारियों का इलाज

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । डॉक्टर सुनील कुशवाहा ने एक भेट में बताया कि पचकर्म आयुर्वेद की विशिष्ट शाखा है जिसमें विशिष्ट उपक्रमों/ प्रक्रियाओं द्वारा रोगोत्पादक कारकों को शरीर से प्राकृतिक मार्गों से बाहर निकालकर शरीर को स्वस्थ रखा जाता है। पंचकर्म स्वास्थय संरक्षक, स्वास्थय संवर्धक, रोगप्रतिरोधक क्षमतावर्धक होने के साथ ही जटिल, जीर्ण और कष्टसाध्य रोगों के उपचार में काफी कारगर है। आधुनिक शोधों में ये भी प्रमाणित हो चुका है कि एक माह के क्लासिकल पंचकर्म से शरीर के 50त्न डिटैक्टेबल टाक्सिंस (पीसीबी/पैस्टिसाइड्स/ अन्य घातक रसायन) को दूर किया जा सकता है..... । पंचकर्म विशिष्टता केंद्र बूंदी आयुर्वेदोमृतानां पंचकर्म चिकित्सा जटिल, जीर्ण कष्टसाध्य रोगों के उपचार में काफी कारगर है त्वरित राहत प्रदान करती है । रोगी फीडबैक 16-20 अप्रैल 2024 पहले विडियो में आधुनिक जीवनशैलीजन्य रोगों के उपचार में अतिप्रभावी त्वरित राहत प्रदान करने वाले पंचकर्म उपक्रम शिरोधारा/माइंड मसाज का डेमोंस्ट्रेशन तथा 8 वर्षों से कष्टसाध्य माइग्रेन सर्वाइकल स्पोंडाइलोसिस से पीड़ित जयपुर निवासी महिला रोगी का उपचार पश्चात फीडबैक(7 दिनों में 80त्न राहत) 2 साल से सिएटिका न्यूरेल्जिया से पीड़ित रोगी का उपचार पश्चात फीडबैक (5दिनों में 40% राहत), 2-3 वर्षों से माइग्रेन से पीड़ित रोगी का फीडबैक (4 दिनों में 40% राहत), एक साल से सर्वाइकल स्पोंडाइलोसिस पीड़ित झालावाड़ निवासी रोगी का फीडबैक (4 दिनों में 50% राहत), एक्सीडेंट के बाद असहनीय दर्द × जकडाहट के कारण घुटना मोडने/बिना सहारे के उठने बैठने में में असमर्थ रोगी का फीडबैक (6 दिनों में 60%) राहत, एक साल से न्यूरेल्जिया से पीड़ित रोगी का फीडबैक (6दिनों में 50% राहत), 2 माह से पैरालाइसिस/लकवे से पीड़ित रोगी का उपचार पश्चात फीडबैक (7दिनों में 70% राहत), एक साल से कष्टसाध्य घुटनों के दर्द(ओस्टियोआर्थराइटिस ग्रैड 3) से पीड़ित नीमच(मध्यप्रदेश) निवासी रोगी का फीडबैक (3दिनों में 50त्न राहत) मौजूद हैं। 6 मिनट के दूसरे विडियो में घुटनों के असहनीय दर्द/ओस्टियोआर्थराइटिस के उपचार में अतिप्रभावी पंचकर्म उपक्रम जानुधारा का डेमोंस्ट्रेशन सहित आयुर्वेद पंचकर्म पद्धति ला इलाज बीमारियों का भी राजकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय बूंदी में उपचार किया जा रहा है ।

आइए, हम सब मिलकर शत-प्रतिशत मतदान का लक्ष्य प्राप्त करें और भारत के लोकतंत्र को मजबूत करें

बच्चों द्वारा माता-पिता को संदेश पत्र प्रतियोगिता- 26 को शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने का लक्ष्य

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। केन्द्रीय संचार ब्यूरो, कोटा द्वारा आयोजित एक अनूठी पहल के तहत, 26 अप्रैल 2024 को ÷बच्चों द्वारा माता-पिता को संदेश पत्र प्रतियोगिता÷ का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आगामी लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करना है।केंद्रीय संचार ब्यूरो के इकाई प्रभारी प्रेम सिंह बताया की 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव में, सीनियर सैकण्डरी स्कूल कंसुआ एंव सीनियर सैकण्डरी स्कूल इंद्रा गाँधी नगर कोटा में शत प्रतिशत हो के लिए केन्द्रीय संचार ब्यूरो ने युवा पीढ़ी को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करने और उन्हें अपने माता-पिता को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया है। प्रतियोगिता में, विद्यार्थीओ ने अपने माता-पिता को संदेश पत्र लिखकर उन्हें 26 अप्रैल 2024 को मतदान के लिए प्रेरित करने वाले सन्देश भरे पत्र लिखे ,इन पत्रों में, विद्यार्थी मतदान के महत्व, उनके मताधिकार का उपयोग करने की जिम्मेदारी और लोकतंत्र में उनकी भागीदारी के बारे में लिखा।केन्द्रीय संचार ब्यूरो, कोटा का मानना है कि यह प्रतियोगिता न केवल युवा पीढ़ी को मतदान के प्रति जागरूक करेगी, बल्कि उनके माता-पिता को भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेगी।

प्रकृति संरक्षण हमारा नैतिक दायित्व है, पर्यावरण संरक्षण की आदतों को अपनाएं - एडीएम शर्मा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। उमंग संस्थान द्वारा ग्रीष्म काल में चलाए जा रहे पक्षी बचाओ पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत मंगलवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर घनश्याम शर्मा ने अपने आवास पर परिंडे बांधे। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर घनश्याम शर्मा ने अपनी आवास पर परिंडे बांधकर उनमें पानी भरा तथा नियमित रूप से पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था की उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में सदियों से पर्यावरण व पक्षियों के संरक्षण की परंपराएं निहित है लेकिन समय के साथ-साथ आज लोग उन्हें भूलते जा रहे हैं। ग्रामीण परिवेश में आज भी पक्षियों को बचाने हेतु जल व चुग्गे की व्यवस्था की चर्चा करते हुए परिंडा अभियान को अत्यंत सराहनीय कदम बताया। शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारा नैतिक दायित्व है, जिसे हमें सामूहिक रूप से निभाना चाहिए। उन्होंने लंबे समय से उमंग संस्थान द्वारा संचालित किए जा रहे इस अभियान की प्रशंसा करते हुए इसे अनुकरणीय उदाहरण बताया। इससे पूर्व संस्थान के समन्वयक डॉ सर्वेश तिवारी ने संस्था का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि 2004 से लगातार यह अभियान अनवरत संचालित है जिसके तहत अब तक हजारों परिंडे बांधे जा चुके हैं । इससे पूर्व संस्थान के कुशल पांचाल व महेश चौहान ने माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। अभियान प्रभारी राकेश माहेश्वरी ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर संस्थान सदस्य व स्थानीय कर्मचारी ।

सहायक महाप्रबंधक ने लिया मंडी की व्यवस्थाओं का जायजा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । भारतीय खाद्य निगम मण्डल कार्यालय के सहायक महाप्रबंधक सुरेश कुमार मीना ने बूंदी कृषि उपज मण्डी का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेहूं खरीद संबंधी गतिविधियां समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से भी व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने किसानों को भारत सरकार द्वारा मानको में प्रदान की गई शिथिलता के बारे में जानकारी दी। इस दौरान आढ़त एसोसिएशन बूंदी के साथ समीक्षा बैठक भी ली। जिसमें उन्हें किसानों के सहयोग व मानकों में शिथिलता के बारे में जानकारी प्रदान की। निरीक्षण के दौरान भारतीय खाद्य निगम बूंदी के प्रबंधक अवनीश कुमार, बूदी मंडी के किस्म निरीक्षक केशव गुप्ता आदि मौजूद रहे ।

मतदान समाप्ति से 48 घंटे पूर्व लग जाएगा प्रचार संबंधी गतिविधियों पर प्रतिबंध

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी आदेश की पालना में मतदान तिथि से 48 घंटे पूर्व प्रचार गतिविधियों पर प्रतिबंध लग जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय गोदारा ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126 के अनुसार मतदान की समाप्ति के लिए नियत किए गए समय के साथ समाप्त होने वाले 48 घंटे की कालावधि के दौरान सार्वजनिक सभाओं का प्रतिबंध रहेगा। उक्त समायावधि में निर्वाचन के संबंध में सार्वजनिक सभा, जुलूस, रैली,चलचित्र, टेलीविजन, सोशल मीडिया या वैसे ही अन्य साधनों द्वारा जनता के समक्ष किसी भी निर्वाचन संबंधी बात का प्रदर्शन किए जाने की गतिविधि पर प्रतिबंध रहेगा । जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान की समाप्ति के लिए नियत किए गए समय के साथ समाप्त होने वाले 48 घंटे की कालावधि के दौरान ऐसा संगीत समारोह, नाट्य, अभिनय या मनोरंजन के कोई अन्य साधन में किसी भी राजनैतिक संगठन के पक्ष में अथवा किसी प्रत्याशी के निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार की प्रचार नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर जारी प्रासंगिक पत्रों के माध्यम से निर्देशित किया जाता है कि मतदान की समाप्ति के लिए नियत किए गए समय के साथ समाप्त होने वाले 48 घंटे की कालावधि के दौरान कोई भी राजनैतिक व्यक्ति जो उस निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता या अभ्यर्थी नहीं है अथवा सांसद या विधायक नहीं है, वह उस निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद नहीं ठहर सकता। साथ ही यह भी निर्देश है कि राज्य की सुरक्षा कवच प्राप्त राजनैतिक व्यक्ति (अभ्यर्थी से भिन्न) यदि निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता है तो वह अपने मताधिकार का उपयोग करने के बाद क्षेत्र में आवाजाही नहीं करेगा।

बाहरी व्यक्तियों पर रखी जाएगी पैनी नजर

ह्य जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले के समस्त सामुदायिक केन्द्रों, धर्मशालाओं आदि जहां पर बाहरी व्यक्तियों को ठहराया जाता है, उनकी निगरानी करने, गेस्ट हाउस, लॉज तथा होटलों में ठहरने वाले व्यक्तियों की जानकारी, सत्यापन करने, बाहर से आने वाले वाहनों पर निगरानी रखने और इसके लिए चौकपोस्ट स्थापित करने, व्यक्तियों तथा व्यक्ति के समूहों का इस आशय से कि क्या वे निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता है और उनकी पहचान क्या है, सत्यापन करने की कार्रवाई करनी होगी।

» धौलपुर ... हनुमान जयंती के अवसर पर सजे छावनी स्थित श्री हनुमान मंदिर में हनुमान जी व मोटे हनुमान जी मंदिर पर लगी भक्तों की भीड़

हनुमान जयंती पर मंदिरों में लगी बजरंगबली के भक्तों की भीड़

बाड़ी में पहली बार निकली श्री हनुमान शोभायात्रा

बाड़ी के गुमट हनुमान मंदिर पर लगे छप्पन भोग

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर/बाड़ी। जिले भर में मंगलवार को रामभक्त हनुमान जी की जयंती पर बजरंगबली के भक्तों की भीड़ मंदिरों में देखी गई। शहर के पुरानी छावनी स्थित ऐतिहासिक हनुमान मंदिर, मोटे हनुमान मंदिर, हनुमान तिराहा मंदिर, पेचवाले हनुमान मंदिर सहित सभी मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। इसी तरह बाड़ी में शोभायात्रा का आयोजन किया गया। धौलपुर शहर में इस बार शोभायात्रा का आयोजन 27 अप्रेल को किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि हनुमान जयंती शोभायात्रा जिले भर में सबसे बड़ा आयोजन होता है। इसमें भाग लेने के लिये जिले सहित आसपास के शहरों के भी कलाकार, बैण्ड आते हैं। इसके अलावा लाखों की संख्या में भक्तजन शोभायात्रा देखने मुरैना, आगरा जैसे शहरों से यहां आते हैं।

भगवान राम के सेवक भक्त हनुमान का मंलवार को शहर में जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। ऐसे में शहर में पहली बार हनुमान शोभायात्रा का भी आयोजन बजरंग सेवा समिति द्वारा किया गया। गुमट हनुमान मंदिर से यह शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकाली गई। शोभायात्रा का शहर में जगह-जगह स्वागत किया गया। इस दौरान शोभायात्रा में हनुमान जी के दर्शन करने के लिए श्रद्धालु लालियत दिखाई दिए। शोभायात्रा में प्रभु राम भक्त हनुमान का स्वरूप भी निकाला गया और भगवान राम,भ्राता लक्ष्मण एवं माता जानकी की झांकी को देखने के लिए शहर वासी उमड़ पड़े।

शहर के गुमट हनुमान मंदिर की बजरंग सेवा समिति के अध्यक्ष भगवती प्रसाद मित्तल ने बताया कि इस बार मंदिर के श्रद्धालु और सेवा समिति के जुड़े पदाधिकारी के साथ शहर के लोगों की इच्छा थी कि हनुमान जन्मोत्सव पर शोभायात्रा का आयोजन किया जाए। शाम को मंदिर पर फूल बंगला झांकी सजेगी। इस दौरान 56 भोग की प्रसादी भी लगाई गई है साथ में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा।

» बाड़ी ... हनुमान जी की शोभायात्रा में शामिल भक्तगण

समिति के अध्यक्ष भगवती मित्तल ने दीप प्रज्वलित कर हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा को रवाना किया। इस दौरान उपाध्यक्ष विजय सिंघल,राजेंद्र गर्ग,सुभाष चंद्र बंसल के साथ अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। हनुमान जन्मोत्सव पर शहर के विभिन्न मंदिरों पर भी आयोजन किया गया जिसमे शहर के पोद्दार बगीची स्थित पाताली हनुमान मंदिर, मनोहर दास हनुमान मंदिर, तुलसी वन हनुमान मंदिर, पटवारी हनुमान मंदिर, होद वाले हनुमान मंदिर, कुल्ही वाले हनुमान मंदिर, सीता वाली बगीची हनुमान मंदिर, यीशु वाले हनुमान मंदिर सहित माली वाले हनुमान मंदिर पर विशेष सजावट की गई है।

राजाखेड़ा में धूमधाम से मनाया श्री हनुमान जन्मोत्सव

राजाखेड़ा। राजाखेड़ा में बच्चों की हनुमान मंदिर एवं हाट मैदान मैहतेकी हनुमान मंदिर पंचमुखी हनुमान मंदिर पर धूमधामसे हनुमान जी का जन्म उत्सव मनाया गया। यहां पर सुंदरकांड के पाठ हनुमान चालीसा के पाठ पूजा अर्चना कर दर्जनों की संख्या में झंडे भी चढ़ाए गए एवं भजन कीर्तन आदि गए गए जहां पर मंदिरों पर सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने हनुमान जन्मोत्सव के आनंद का लाभ लिया एवं हनुमान जी के दर्शन कर हनुमान जी के जयकारे एवं हनुमान जी की आरती के समय सैकड़ो भक्तगण महिला एवं पुरुषों बच्चों की संख्या में उपस्थित रहे जो हनुमान हरि की जय बजरंगबली की जय महावीर की जय के जयकारे लगाते रहे अंत में आए हुए सभी भक्तगणों को प्रसादी वितरण की गई तथा अन्य मंदिरों पर भी हनुमान जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

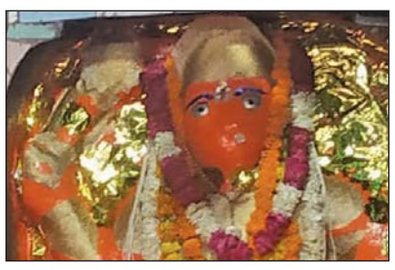

क्षेत्र के युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए समर्पित 'सोच बदलो गांव बदलो' टीम को भामाशाह से मिला बड़ा दान

कुरिगमा निवासी एडिशनल एसपी राम प्रकाश मीना ने 1 लाख 71 हजार का दिया दान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। शिक्षा के प्रसार से ही समाज एवं राष्ट्र की उन्नति की कल्पना की जा सकती है। इसी विचार के प्रति अटूट विश्वास के कारण टीम द्वारा शिक्षा के माध्यम से समाज उत्थान के प्रयासों को सामुदायिक सहभागिता एवं समाजसेवियों भामाशाहों के सहयोग से आगे बढ़ाया जा रहा है, जो समाज में सकारात्मक माहौल एवं रचनात्मक बदलाब का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। सोच बदलो गांव बदलो विचार के प्रणेता आईआरएस अधिकारी डॉ सत्यपाल सिंह मीना ने बताया कि टीम द्वारा सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देकर बच्चों के लिए सरमथुरा एवं बाड़ी में शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समाज के सीनियर पुलिस अधिकारी एडिशनल एसपी कुरिगमा निवासी राम प्रकाश मीना द्वारा समाज उत्थान के प्रयासों को मजबूती देते हुए एक लाख इकत्तर हजार रुपए का चैक टीम 'सोच बदलो गांव बदलो' के सदस्य कल्याण सिंह को अपने आवास पर बुलाकर दिया। उन्होंने कहा है कि शिक्षा द्वारा ही क्षेत्र का सर्वांगीण विकास संभव है और भामाशाहों के द्वारा दिए गए दान का प्रभाव धरातल पर दिखाई दे रहा है। पहली बार सरमथुरा तथा बाड़ी में विद्यार्थियों की

विशाल बिल्डिंग जिनमें हजारों विद्यार्थियों में संस्कार सृजन करने का कार्य जारी है। उन्होंने टीम सोच बदलो गांव बदलो के कार्यकर्ताओं से अपील की है कि आप लोग ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ इसी प्रकार काम करते रहो। समाज को केवल इमानदारी से काम करने वाले लोगों की जरूरत है। उन्होंने टीम सोच बदलो गांव बदलो की ओर से कुरीगमा निवासी एडिशनल एसपी राम प्रकाश मीना और पूरे

शिक्षा एवं उत्थान के लिए इतना बड़ा काम हुआ है कि सभी समाजों को द्वारा उत्थान भवन सरमथुरा एवं बाड़ी का उदाहरण प्रस्तुत कर टीम सोच बदलो गांव बदलो की प्रशंसा कर रहे हैं। बाड़ी और सरमथुरा दोनों जगह उत्थान की परिवार का दिल की गहराइयों से बहुत-बहुत धन्यवाद दिया और पूरे समाज और सोच बदलो गांव बदलो टीम की तरफ से कृतज्ञता व्यक्त करते हुए सुखी, मंगलमय और समृद्ध जीवन की कामना की है।

» बाड़ी ... घटना के बाद अस्पताल में मोर्चरी के बाहर मौजूद परिजन और पुलिस

बाड़ी : हाईटेंशन लाइन के तार की चपेट में आने से मजदूर की मौत

जंगल में शौच करने गया था

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। उपखंड के कंचनपुर थाना क्षेत्र के उमरी गांव की जाटव बस्ती के एक 22 वर्षीय पत्थर मजदूर की बिजली करंट की चपेट में आने से मौत का मामला सामने आया है। मंगलवार की अल सुबह पत्थर मजदूर अपने घर से खेतों पर शौच करने गया था। इस दौरान रास्ते में पड़े हाईटेंशन लाइन के तार की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। बाद में ग्रामीणों ने जब रास्ते से गुजरते हुए उसे देखा तो घटना की जानकारी हुई। इसके बाद उसे अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार कंचनपुर थाना क्षेत्र के उमरी गांव की जाटव बस्ती निवासी 22 वर्षीय युवक सुनील पुत्र मुन्नालाल जाटव खेतों की ओर शौच करने सुबह 4 बजे गया था। इस दौरान रास्ते में पड़े हाईटेंशन लाइन की तार की चपेट में आ गया। उक्त घटना की काफी समय बाद जब ग्रामीण उधर से गुजरे तब जानकारी हुई। जिसके बाद तार से अलग कर अचेत सुनील जाटव को बाड़ी अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना को लेकर मृतक सुनील जाटव के ताऊ के लड़के ओमी जाटव ने बताया कि सुनील पत्थर मजदूरी एवं अन्य मजदूरी का काम करता था। अभी डेढ़ साल पहले उसकी जहानपुर से शादी हुई थी। उसके एक छोटा सा 6 महीने का बच्चा है। अचानक से वह हादसे का शिकार हुआ है। ऐसे में परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है। घटना को लेकर ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार की सरकार और प्रशासन से मदद और सहयोग की मांग की है।

घटना को लेकर कंचनपुर थाने के एएसआई बल्केश्वर दत्त ने बताया कि सूचना पर अस्पताल पहुंच मृतक सुनील पुत्र मुन्नालाल जाटव के शव का पोस्टमार्टम कराया है। प्रथम दृष्टया बिजली करंट से हादसा हुआ है। मामले की जांच की जा रही है। पंचनामे और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

» धौलपुर ... सुरक्षित प्रसव की कार्यशाला में उपस्थित महिलाएं

गर्भावस्था में बेहतर मानसिक स्वास्थ्य स्वस्थ और सुरक्षित प्रसव के लिए ज़रूरी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। ममता एच आई एम सी की ओर से धौलपुर में चलाए जा रहें जागृति-3 कार्यक्रम के तहत सर्व जन स्वस्थ मन के तहत जन जागृति हेतु जिले में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए धात्री वा गर्भवती महिलाओ के साथ संस्था बाड़ी ब्लॉक के गांव कासपुरा और नोहरामठ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम मे धात्री और गर्भवती महिलाओं में होने वाले शारीरिक, मानसिक बदलाव की वजह से जो परिवर्तन आते हैं उनके बारे मे जानकारी दी गई।

नई दिल्ली से आई साईकोलोजिस्ट आस्था रंगा ने जानकारी देते हुए बताया कि गर्भवस्था और प्रसव के बाद मानसिक स्वास्थ्य माँ के साथ-साथ उसके बच्चे दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यद्यपि बच्चे के विकास पर मातृ मानसिक स्वास्थ्य का प्रभाव गर्भधारण से ही शुरू हो जाता है।इसलिए इसे बेहतर रखना अति आवश्यक है, जिसका असर बच्चे पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि मानसिक अवस्था मे आने वाले परिवर्तनो की वजह से महिलाए अपने आप को अकेला और परेशान महसूस करती हैं। हमे इस अवस्था में अपना ख्याल रखना चाहिए। जिसके लिए हमे अपने पसंद के काम, सुबह शाम टहलना योग आदि कार्य करने चहिए ताकि हम अच्छा महसूस कर सके। आस्था ने महिलाओं से कहा कि अपने विचारों और भावनाओं के बारे में किसी ऐसे व्यक्ति से बात करें जिस पर आप भरोसा करते हैं, जैसे कि आपका साथी, परिवार, दोस्त या स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता। स्वस्थ भोजन खाएं और नियमित समय पर खाएं। इस कार्यक्रम के माध्यम से गर्भवती और धात्री महिलाओ के प्रति समझ को बढ़ाना और स्वास्थय के प्रति जागरूक करना हैं। इस मौके पर ममता एच आई एम सी टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

70 साल की बुजुर्ग महिला कुएं में कूदी

» धौलपुर ... बुजुर्ग महिला के शव को निकालते लोग

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। कोटला मोहल्ले में देर रात एक बुजुर्ग महिला ने कुएं में छलांग लगा दी। महिला की चप्पल और मोबाइल कुंए के पास मिले जिससे परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने महिला के शव को कुएं से बाहर निकाल कर जिला अस्पताल की मॉर्चूरी में रखवाया।

हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे कोतवाली थाने के एएसआई सुरेश कुमार ने बताया कि मृतक महिला माया उम्र 70 वर्ष पत्नी रामवीर कुशवाह लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान चल रही थी। महिला के परिजनों से पूछताछ में पता चला कि पहले भी महिला कई बार घर छोड़कर जा चुकी थी। जिसकी तलाश करने के बाद परिजन उसे अपने साथ वापस ले आए। परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार को बुजुर्ग महिला को उसके परिजन अस्पताल से दवाई दिलाकर लाए थे। रात को 12 बजे घर पर सभी लोगों की सो जाने के बाद महिला घर से निकलकर कुएं में कूद गई। एएसआई ने बताया कि मंगलवार सुबह परिजनों ने जब महिला को तलाश किया, तो उसकी चप्पल और मोबाइल कुएं की मुंडेर पर मिली। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। उन्होंने बताया कि कुंए में चलाए जा रहे रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान महिला के शव होने की जानकारी पुलिस को मिल गई। जिसके बाद महिला के शव को कुंए से निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल की मॉर्चुयरी में रखवा दिया गया है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से पैदल घर जा रहे युवक की मौत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

सैंपऊ। सैंपऊ के उमरारा गांव के पास पैदल जा रहे युवक को एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित करते हुए शव को मॉचूर्री में रखवा दिया। हादसे की सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पहुंचे सैंपऊ थाने के उप निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि मृतक युवक लौहरे उम्र 35 वर्ष पुत्र बच्चू सिंह जाटव निवासी उमरारा अपने गांव के पास खेतों पर काम करने के लिए गया था। खेतों पर काम करने के बाद जब वह वापस अपने गांव की लौट रहा था। इसी दौरान तेज गति से आते ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां जांच के बाद डॉक्टर ने लौहरे को मृत घोषित कर दिया। शव को अस्पताल की मॉर्चुयरी में रखवाया गया है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मौके से फरार आरोपी ट्रैक्टर ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

नगरिया वाले हनुमान जी मंदिर पर धूमधाम से भक्तों ने मनाया जन्मोत्सव

सैंपऊ। सैंपऊ उपखण्ड के ग्राम सहरौली में स्तिथ नगरिया हनुमान जी पर हनुमान जन्मों उत्सव धूमधाम से मनाया गया। रामभक्तों ने सुंदरकाण्ड पाठ कर प्रसादी व भोजन का वितरण किया। मन्दिर परिसर में सुबह छः बजे से ही भक्तों का आना जाना प्रारंभ हो गया। महंत सुभाष शर्मा रिटार्ड वैध ने बताया कि हर शनिवार और मंगलवार को भक्त यहां सुन्दरकाण्ड का पाठ कराते हैं और भक्तों के लिए भोजन प्रसादी का भी वितरण करते हैं। क्षेत्रीय लोगों में यह स्थान आस्था का केन्द्र बना हुआ है। मौके पर मनोज शर्मा रजोराखुर्द, राजेश गुधेनिया, धीरज दीक्षित, देवांश, शिवम, देवीचरण, महेश चेंपा, तालेभर तोमर सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

राजकीय महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की द्वितीय सेमेस्टर की कक्षाएं आज से

बाड़ी। राजकीय महाविद्यालय बाड़ी के सभी छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि प्रथम वर्ष की फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षाएं पूर्णतया समाप्त हो चुकी है। तथा प्राचार्य डॉ एम के सिंह ने बताया कि सेकंड सेमेस्टर के शिक्षण कार्य हेतु कक्षाएं 24 अप्रैल 2024 से राजकीय महाविद्यालय में सुचारू रूप से चलेगी। महाविद्यालय का समय सुबह 11 से रहेगा। सभी विद्यार्थी सूचित हो तथा समय से राजकीय महाविद्यालय बाड़ी पहुंचे।

एक प्लॉट दो जगह बेचने के आरोप में 2 महिलाओं सहित 3 आरोपी गिरफ्तार

धौलपुर। एक ही प्लॉट दो जगह बेचने के मामले में पुलिस ने दो महिलाओं सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले की जांच कर रहे सब इंस्पेक्टर कैलाश चंद्र ने बताया कि गत वर्ष 23 नवंबर को सरला दुबे ने कोर्ट के जरिए एक मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया था कि उसने वर्ष 2015 में अंजना कॉलोनी में कलावती कुशवाहा से एक प्लॉट खरीदा। उस प्लॉट को धोखाधड़ी कर कलावती की बहन अंगूरी देवी के साथ कांता देवी और उसके पति केवल सिंह ने किसी दूसरे व्यक्ति को बेच दिया। एक ही प्लॉट के दो मालिक होने के बाद सरला दुबे ने थाने में कोर्ट के जरिए मामला दर्ज कराया। मामले की जांच कर रहे सब इंस्पेक्टर कैलाश चंद्र ने बताया कि अंगूरी देवी ने धोखाधड़ी करते हुए कांता देवी और उसके पति केवल के साथ मिलकर प्लॉट को दूसरे व्यक्ति को बेच दिया था। जिस मामले में दोनों महिला अंगूरी और कांता के साथ आरोपी केवल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनसे पुलिस पूछताछ कर रही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक - चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए आकाशदीप प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स, सेक्टर 11 अग्रवाल फार्म, जयपुर (राज.) राजस्थान से मुद्रित एवं जी-9, गंगासागर अपार्टमेंट, बी-192, गंगासागर कॉलोनी, आम्रपाली मेन रोड, वैशाली नगर जयपुर (राज.) से प्रकाशित आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2013/48948
प्रधान सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे मोबा. 9425126060 । स्थानीय संपादक गौतम गोस्वामी मोबा. 9772455444, प्रबंध संपादक बेनी प्रकाश खोरानिया मोबा. 9549977995 : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए स्थानीय सम्पादक जिम्मेवार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर न्यायालय होगा।